gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 1

गुर्जर निर्देशक

आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 66584/97

डाक पंजीयन क्र. M.P./GNA/14/2015-17 तक वैध

अंक 140

23 - वर्ष, जुलाई 2017

सम्पादक

गुर्जर जगदीश सिंह चपराना

मोबा. 9425136694, 8319382693

सह सम्पादक

गुर्जर महेन्द्र सिंह चपराना

मोबा. 9302112504

पत्र व्यवहार का पता

कार्यालय एवं निवास

प्लाट नं. 23, नर्मदा कॉम्पलेक्स, ग्वालियर रोड,
पो. कत्था मिल, शिवपुरी, (मध्य प्रदेश)
पिन-473638, ऑफिस: 8839331898

सदस्यता हेतु जगदीश सिंह गुर्जर के खाता क्र. 10547272322 भारतीय स्टेट बैंक शाखा, IFSC Code SBIN0003215 एवं बैंक ऑफ बड़ौदा, गुर्जर निर्देशक खाता संख्या 24910200000419 IFSC Code BARBOSHIV MP. Mirc. Code 473012051 में शुल्क जमा कराकर सूचित करें।

सन्देश, समाचार, विचार, सुझाव व समस्त जानकारियां शीघ्र भेजने हेतु Email : gurjarnirdeshak@yahoo.com का प्रयोग करें। पत्रिका में प्रकाशित लेखों से सम्पादक या पत्रिका परिवार का सहमत होना आवश्यक नहीं है। *पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संबंधित विचारों के लिए लेखक स्वयं जबाबदार है।*

स्वत्वाधिकार, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक जगदीश सिंह गुर्जर द्वारा प्लॉट नं. 23, नर्मदा कॉम्पलेक्स ग्वालियर रोड, शिवपुरी से प्रकाशित एवं कंचन ऑफसेट, तेली की बजरिया, नया बाजार, ग्वालियर से मुद्रित।

संचालन एवं सम्पादन व्यवस्था पूर्णत: अवैतनिक व अव्यवसायिक हैं। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शिवपुरी म.प्र. होगा।

इस अंक की पंखुड़ियाँ

	लेख का नाम		पेज नं.
1.	सम्पादकीय		2
2.	1857 की क्रान्ति में गुर्जरों का योगदान		3
3.	डॉ. नागर का किया राज्यपाल कोहली ने सम्मान		4
4.	हिमालय के यायावर 'वफादार गुज्जर'	डॉ. श्याम सिंह शशि	5
5.	गुर्जर हैं तभी सुरक्षित है कश्मीर		7
6.	हूण गुर्जरों के गाँवो का सर्वेक्षण	डॉ. सुशील भाटी	8
7.	हैदराबाद में बनेगा ऐतिहासिक देवनारायण मंदिर		10
8.	अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के 110 वें स्थापना ..	सुरेन्द्र खटाना	11
9.	गुर्जर समाज के 217 गांव, यहां कोई नहीं पीता शराब...	संपादक	14
10.	पंजाब के नव निर्वाचित विधायकों का गुर्जर समाज	नरेन्द्र कुमार भीलू	15
11.	अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल डी.सी.एस. प्रताप	राजीव 'नबल' मेरठ	16
12.	गुर्जर समाज की महिलायें घूँघट नहीं करेंगी		17
13.	दशहरा से दीपावली के बीच गुर्जर समाज करेगा बड़ा आंदोलन		18
14.	जय हो संत श्री श्री 1008 हरिगिरि जी महाराज	अरविन्द घुरैया	19
15.	पुलिस का सकारात्मक चेहरा है एसीपी राजेश चेची, 1000 से अधिक का नशा छुड़वाया		20
16.	अपनी मर्जी से मायके में रहने पर पत्नी को भरण-पोषण नहीं		21
17.	युवा गुर्जर प्रतिभाओं का सम्मान		22
18.	दिल्ली में गुर्जर अधिवक्ताओं की जीत		23
19.	सामाजिक ढांचा		24
20.	जल और कुल नहीं बंट सकते		25
21.	रूड़की में सुनहरा गांव का बरगद शहीद स्मारक	राजीव 'नबल' मेरठ	27
22.	गुर्जर समाज शिक्षा व एकजुटता पर ध्यान दे		28
23.	श्री रेवा गुर्जर समाज महासभा क्षेत्र, सनावद	गुलाबचंद (लालाजी)	30
24.	वैवाहिकी		31

सदस्यता शुल्क

संरक्षक सदस्य

5100/-

संरक्षक सदस्यों के नाम, पता, रंगीन फोटो सहित वेबसाइट gurjarnir deshak.in में प्रकाशित किए जाएंगे।

प्रधान संरक्षक सदस्य

11000/-

प्रधान संरक्षक सदस्यों के नाम, पता, रंगीन फोटो सहित वेबसाइट gurjarnirdeshak.in की डायरेक्टरी में प्रकाशित किए जाएंगे।

नोट : प्रधान संरक्षक व संरक्षक सदस्यता पांच वर्ष में नवीनीकरण होना आवश्यक है।

सदस्यता

1. **छह वर्षीय सदस्य** रु. 500/-
2. **आजीवन सदस्य** रु. 2100/-
   (केवल पच्चीस वर्ष हेतु)

अपने संस्थान व कंपनी के विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए gurjarnirdeshak.in पर लॉग ऑन करें।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 2

संपादकीय

आदरणीय पाठक बन्धुओ,

जरा सोचिये कि हम क्यों पैदा हुये हैं, इसका उत्तर हम शायद न दे सकें, किन्तु जब पैदा हो ही गये है, तो हमें जीवन में क्या करना चाहिये इस प्रश्न पर अब आसानी से सोचा जा सकता है। जब हम गुर्जर समाज के सदस्य हैं, तो हमें अपनी सदस्यता का सहयोग देना चाहिये, जो हमारा अनिवार्य कर्तव्य है। समाज को यह सहयोग केवल धन के रूप में नहीं दिया जा सकता, सहयोग के रूप में तो हमें अपनी प्रतिभा, परिश्रम और त्याग के बल पर समाज को ऐसी चीज देनी चाहिये, जिससे समस्त समाज का जीवन, भविष्य में सुखमय और उन्नतिशील बन सके।

अपने जीवन में समस्त कार्यकलापों का आत्मावलोकन करके यदि हमें यह अनुभव होता है कि हमारे जीवन से समाज को कोई हानि नहीं हुई, लाभ ही हुआ है, तो हमारा जीवन सार्थक है। यदि किसी की मृत्यु पर लोग संतोष की साँस लेने की बजाए, एक ठंडी आह भरकर कहें कि एक भला आदमी चला गया, तो समझना चाहिए कि वह अपना कर्तव्य पूरा करके गया है। कौन कितना करता है, यह साधनों, सामर्थ्य और परिस्थियों पर निर्भर है। अपने साधनों और सामर्थ्य के अनुसार किसी रूप में समाज की सेवा करके, आप भी अपने समाज के ऋण से उऋण हो सकते हैं। ताकि अंत समय यह सन्तोष प्राप्त कर सकें कि आपने अपना कर्तव्य पूरा कर लिया है।

देवता कौन है? समाज को देने वाला, समाज की सहायता व रक्षा करने वाला ही देवता माना गया है। देवता वह है जो औरों को दे। जो व्यक्ति अपने ज्ञानाग्नि से अपने समस्त कषाय-कल्मषों को जलाकर स्वयं प्रकाशरूप हो, और दूसरों के अन्धकार मय जीवन को प्रकाशित करता हो, अपने ज्ञान से दूसरे भूले-भटकों को मार्ग दिखाता हो तथा इस तरह पूरे समाज का सत्य का प्रदर्शक बने उसे ही देवता माना जाता है।

जिन प्रकाशमुंज व्यक्तियों के व्यवहार, सिद्धान्तों एवं कृतित्व से प्राणियों को मार्ग मिले उसके सभी कष्टों को दूर करने की प्रेरणा मिले, सांसारिक कष्टों से मुक्ति पाने का पथ-प्रशस्त हो, वे देवतुल्य माने जाकर सम्मान जनक स्थान प्राप्त करते हैं। जो न तो खुद खा सकता है, और न दूसरों को दे सकता है, चाहे वह करोड़पति ही क्यों न हो, मामूली गरीब आदमी से उसमें कुछ विशेषता नहीं है। उचित अनुचित तरीकों से पेट पर पट्टी बाँधकर जो धन जोड़ा गया है वह धन उसके किसी काम न आएगा, उसका उपयोग तो दूसरे ही करेंगे। वह मनुष्य बुद्धिमान है, जिसने अपना धन शुभ कार्यों में खर्च किया है। असल में वह बरसने वाले बादलों के समान है, जो आज खाली होता है। तो कल फिर भर जाता है। मिलनसारी का व्यवहार और दूसरों के हितों का ख्याल रखना, ये ऐसे गुण हैं, जिनसे दुनियां अपनी हो सकती है। संसार उनको भुला नहीं सकता, जो अपने से छोटे और बड़ों के साथ शिष्टता का व्यवहार करते हैं। कटुभावी और निष्ठुर स्वभाव के मनुष्य का जीवन लोहे और काठ के समान नीरस होता है, चाहे वे भले ही आरी की तरह तेज हों। जिस कर्महीन मनुष्य को इतने लम्बे चौड़े विश्व में हँसने और मुस्कराने योग्य कुछ भी दिखाई नहीं देता और सारे दिन कुड़कुड़ाता रहता है, उसे उन रोगी की तरह समझना चाहिये, जिसे दिन में नहीं दिखता। बदमिजाज व्यक्ति के पास चाहे कितनी ही विद्या और सम्पत्ति क्यों न हो, वह उस दूध के समान निकम्मा है, जो गंदे पात्र में रखा होने से दूषित हो गया है।

जो मनुष्य जैसा विचार करता है, वह ठीक वैसा ही बन जाता हैं। जिन-जिन वस्तुओं का विचार तथा चिन्तन किया जायेगा, वे वस्तुयें निश्चित रूप से हमारी ओर चली आऐंगी। अत: जिसे हम प्राप्त करना चाहते हैं, सदा उसी का विचार करें। इन्हीं विचारों में निर्मलता लाने के लिए दो महान गुणों की प्रशंसा हमारे शास्त्रों में भरी पड़ी है। वे हैं- दया तथा क्षमा। दया के विचारों से निर्मलता आती है तथा क्षमा से निर्मलता को स्थिरता प्राप्त होती है।

बिना दया तथा क्षमा का भाव रखे, किसी को कभी शान्ति प्राप्त नहीं हो सकती।

सद्विचार तथा स्वभाव ही हमारी सम्पत्ति हैं। जिस दिन तुम्हें विचारों की शक्ति का ठीक-ठीक ज्ञान हो जाएगा उसी दिन अनेक शंकाऐं तथा समस्यायें स्वत: हल हो जाऐंगी। अच्छे कार्य करने से भी अच्छे विचारों की संस्कारवर्धक शक्ति अधिक तीव्र होती है। जैसी बातें मनुष्य विचारेगा, कुछ समय के पश्चात वह स्वयं देखेगा कि उसके विचारों के अनुकूल ही उसका वातावरण बनता जा रहा है। जिन-जिन परिस्थितियों व वस्तुओं का चिंतन किया है वे उसके अधिकाधिक समीप आ पहुँचती है। मनुष्य अपने विचारों से ही उच्च तथा निम्न बनता है।

विचार ही कार्य की प्रेरक शक्ति है विचार तथा कर्म का एक दूसरे से घनिष्ठ संबंध है। इसलिये निवेदन है कि अपने विचारों को शुद्ध एवं उच्च रखें।

धन्यवाद!

सम्पादक

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 3

1857 की क्रान्ति में गुर्जरों का योगदान

13 मई 1857 के दिन सिलानी गांव में गुर्जरों और अंग्रेंजी फौज की डट कर टक्कर हुई थी। गुर्जरों का नेता चौ. हिम्मत सिंह खटाणा था और अंग्रेंज सेनापति विलियम फोर्ड था। गुर्जरों को खटाणे व भौंसले तथा इनके समीपस्थ रहने वाले मेव भी थे ।

विलियम फोर्ड क्रान्तिकारी गांवों के दमन चक्र के लिए ही निकला था,

मोहम्मदपुर, नरसिंह पुर, बेगमपुर, खटोला, दरबारीपुर हसनपुर, रामगढ़ तंवर, भोआपुर, नया गांव, कादरपुर तिगरा उल्हावास, बहरमपुर, घाटा, बालियाबास, बन्धवाड़ी, गुआलपहाड़ी, नाथूपुर, अहिया नगर, घिटोरनी, फतेहपुर बेरी आदि गांवों के तंवर, हरषाणें, भाटी, लोहमोड़, घोड़ा रोप, बोकन, खटाने, भौंसले आदि गोत्र के गुर्जरों ने विलियम फोर्ड के 300 सैनिक दस्ती पर जो हथियारों से लैस था अपना दुश्मन समझ कर सिलानी के पास जोरदार हमला कर दिया था। इस लड़ाई में अनेक अंग्रेंज मारे गए थे। बहुत से बन्दी बना लिए गए। अंग्रेंजों से बैलों की दांवें चलवाई। रु. 7,84,000/- लड़ाई में गुर्जरों के हाथ लगा। गुर्जरों का नेता हिम्मत सिंह खटाणा इस लड़ाई में शहीद हुआ। हिम्मत सिंह खटाणा बहादुर देश भक्त तथा स्वाधीनता प्रिय गुर्जर था विदेशी फौज से लड़ता हुआ शहीद हुआ था। सारे इलाके में इनके निधन पर शोक छा गया था। रिठौज गांव के बड़े ताल के पास इनका स्मारक बनाया गया। जिसे छतरी कहते हैं। दिवाली के दिन यहां हर वर्ष मेला लगता है। किसी कवि का वचन है-

शहीदों की चिताओं पर, जुड़ेंगें हर वर्ष मेले।
वतन पर मरने वालों का बाकी यही निशां होगा।

शहीद भजन सिंह गुर्जर

भजन सिंह गुर्जर गुडगांव जिले के बहलपा गांव का निवासी था। उसका गोत्र खटाणा था । वह भजन गुर्जर के नाम से मशहूर था। स्थानीय लोग उसे डाफा भी कहते थे । उसने 1857 ई0 की क्रान्ति में खटाणा खाप के गुर्जरों का नेतृत्व किया था। भजन खटाणा का एक उच्च कोटि के मानवीय उदारता का उदाहरण जो बड़ा रोचक और लोम हर्षक है जो इस प्रकार है ।

1857 की क्रान्ति के दमन स्वरूप जब खटाणे गुर्जरों को जो रिठौज,सहजावास, बहलपा, खेड़ला तथा बेरका गांव के निवासी थे जिन्हें महरौली फांसी लगाने के लिए ले जाया जा रहा था उनमें चार गुर्जर ऐसे थे जिनकी शादी हुए थोड़े ही दिन हुए थे, यदि वे फांसी पर लटका दिए जाते तो उनका वंश परम्परा कैसे चलती । भजन गुर्जर ने उन चार गुर्जरों को महरौली ले जाते हुए जबरदस्ती छुड़वा लिया था जिसके कारण खटाणे गुर्जर उसे उसकी दूरदर्शिता और वीरता के लिए याद करते हैं।

देश के अन्य देश भक्त गुर्जरों की तरह हरियाणा प्रदेश के सोहना क्षेत्र के खटाणे आदि वंश के गुर्जरों ने बड़े-2 बलिदान दिए थे जिन्हें महरौली में ले जा कर फांसी दी गई या उनके गांवों को ही तोप से उड़ा दिया गया था। उनकी जमीन जायदादें जब्त करके अपने वफादारों को पुरस्कार स्वरूप दी गई थी। गुर्जरों को सरकारी नौकरियों से वंचित रखा गया और अन्य भांति-2 की अमानवीय यातनाएं दी गई।

लोग यह न समझ लें कि 1857 की क्रान्ति में केवल 25-30 शहीदों ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित किया था। सच्चाई तो यह है कि इस क्षेत्र का एक-एक वृक्ष इस बात का साक्षी है कि उन पर शहीदों को लटकाया गया था। इस क्षेत्र के गुर्जरों को गोली से उड़ाने के लिए पहचान यह की गई थी कि गुर्जर 'ए' स्थान पर 'ओ' का उच्चाण करता है। जो गुर्जर पकड़ा जाता है उसकी यही पहचान की जाती है और गोली से उड़ा दिया जाता था । इस तरह की मिसाल दुनियां के इतिहास में कहीं नहीं मिलती है कि बिना दोषारोपण किए सरेआम गोली का निशाना बनाया जा सके और दोषी की पहचान उच्चारण हो।

हरियाणा के सोहना क्षेत्र गुडगांव के 1857 के शहीद इन शहीदों को महरौली में फांसी दी गई थी-

1. छजिया सिहँ नम्बरदार गुर्जर, कादरपुर 7 दिसम्बर 1857
2. गंगा सिहँ नम्बरदार गुर्जर, रिठौज 7 दिसम्बर 1857
3. कलुआ सिहँ वल्द तेजा गुर्जर, रिठौज 7 दिसम्बर 1857
4. शोभा सिहँ गुर्जर, पाली 7 दिसम्बर 1857
5. मेहर सिहँ गुर्जर, पाली 7 दिसम्बर 1857

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 4

6. शौराब सिहँ गुर्जर, पाली 7 दिसम्बर 1857
7. मीरा सिहँ नम्बरदार गुर्जर, कादरपुर 7 दिसम्बर 1857
8. मेहराब सिहँ गुर्जर, कादरपुर 7 दिसम्बर 1857
9. नन्दा गुर्जर, रिठौज 7 दिसम्बर 1857
10. भीखाराम वल्द बक्शीराम गुर्जर , दरबारीपुर 11 दिसम्बर 1857
11. बिरजा वल्द साधु राम गुर्जर, दरबारीपुर 11 दिसम्बर 1857
12. अमीर वल्द मुबारक गुर्जर, बेरका 6 जनवरी 1858
13. खुशहाल सिहँ वल्द खाण्डूराम गुर्जर बेरका 6 जनवरी 1858
14. किशन एलियास खुशी वल्द चन्दू गुर्जर 6 जनवरी 1858 बेरका
15. रंगबाज सिहँ वल्द मलखान गुर्जर, बेरका 6 जनवरी 1858
16. उदयचन्द गुर्जर, बेरका 6 जनवरी 1858
17. रतिया सिहँ वल्द मुखा गुर्जर, बेरका 6 जनवरी 1858
18. कंवरचन्द गुर्जर, नगली 7 फरवरी 1858
19. रतनसिंह गुर्जर, नगली 7 फरवरी 1858
20. रतना सिहँ गुर्जर, नगली 7 फरवरी 1858
21. रौला सिहँ गुर्जर, नगली 7 फरवरी 1858
22. रूड़ा सिहँ गुर्जर, नगली 7 फरवरी 1858
23. सहिया सिहँ गुर्जर रिठौज को तोप से उड़ाया गया था।
24. काला गुर्जर सहजावास को तोप से उड़ाया गया था।
25. अभय सिहँ गुर्जर खोर को वृक्ष से लटका कर फांसी दी गई ।

सबसुख फागना गुर्जर निवासी भौखरी को कोले खां थाणेदार 1857 में उसे पकड़ कर ले गया था जो वापिस नहीं आया। यह नहीं कह सकता कि उसे गोली से उड़ाया गया अथवा काला पानी भेज दिया गया। ऐसी कहानी गांव-2 में मौजूद है जो 1857 की क्रान्ति की अमर यश गाथा की याद दिलाती है।

पूरे देश को इन वीरो को भूलादेना, भारतीय इतिहास लेखन मे हुए जातीय-भेदभाव को दर्शाता है ।

डॉ. नागर का किया राज्यपाल कोहली ने सम्मान

म.प्र. संस्कृति विभाग, भोपाल के साहित्य अकादमी के तत्वावधान में, मानस भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में म.प्र. के राज्यपाल ओपी कोहली, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीधर पराडकर, संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव साहित्य अकादमी के निर्देशक डॉ. उमेश कुमार सिंह ने दतिया निवासी प्रसिद्ध लोकभाषा के साहित्यकार डॉ. लोकेन्द्र सिंह गुर्जर नागर को उनकी कृति 'गोपी शतक' पर वर्ष 2013 के लिए शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र भेंट करके, 31000 रूपये का प्रादेशिक ईसुरी पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ. लोकेन्द्र सिंह गुर्जर नागर को प्रादेशिक ईसुरी पुरस्कार मिलने पर म.प्र. संस्कृति परिषद के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पटवा, संयुक्त सचिव राजेश प्रसाद मिश्र, प्रसिद्ध विचारक अम्बिका शर्मा, डॉ. आलोक सोनी, प्रशासनिक अधिकारी रहे डॉ. विजय अग्रवाल ने विशेष रूप से बधाई दी। गुर्जर निर्देशक परिवार की ओर से डॉ. लोकेन्द्र सिंह नागर को लख-लख बधाईयाँ।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 5

हिमालय के यायावर 'वफादार गुज्जर'

लीजिये, पहाड़ के इन गुज्जरों से मिलिए।

पहाड़ की खडी चढ़ाई को हांफ-हांफ कर नही, बल्कि बड़ी उत्सुकता, बडे उत्साह से पार कर रहे है।

जी ये तो चुस्त पाजामा-सा पहने है ओर नीचा कुर्ता मुसलमानी ढंग का।

'क्या नाम है तुम्हारा?' मैं पूछता हूं।

'अल्लारखा'।

मुसलमान हो?

'जी हां'।

'और जाति'?

'गुज्जर'।

और मैं उनके साथ चल पड़ता हूँ।

गुज्जर परिवार पूरा का पूरा साथ चल रहा है। वे गांव मे पीछे शायद ही किसी को छोडते है। बच्चे, बूढ़े, स्त्री-पुरूष सभी कारवां में होते हैं। इनके पास भेड बकरियां नहीं होती। गायें रखते हैं तो मोटी-मुटल्ली भैंसे भी बड़े-बड़े सींगों वाली। अगर कोई सामने पड जाये तो सीधे घाटी की सैर करा कर ही छोड़े।

पुरूष के कंधे पर पड़ा है कम्बल। पैरों में देशी जूता। मोटे गाढे का कम्बल। लम्बा कुर्ता, सिर पर पगडी और फिर लुंगी जैसी धोती। यह रूप है यहाँ के गुज्जर का।

स्त्रियां भी लम्बा कुर्ता ओर सलवार जैसा वस्त्र पहनती है। उनकी कमर पर बच्चा बंधा होगा तो सिर पर छाछ, घी या दूध की बटलोडी होगी। एक दो मटकिया नही बल्कि 4-5 बटलोडी तक हो सकती है, जिनमें अलग-अलग पेय भरे होते हे। इस सबके बावजूद वह प्रसन्न मूद्रा मे पहाड की चढ़ाई पार करती जाती हैं। (इस कठिन यात्रा का क्या कभी अन्त हो पायेगा)

उधर एक ओर परिवार की ओर दृष्टिपात करता हूं। एक सप्ताह का नवजात शिशु मां की गोद मे सिकुड रहा है ओर मां के सिर पर तीन घड़े भी रखे है। उसके पति ने अभी -अभी दो भैंसो का दूध दुहा है ओर उनके दूध से तीसरा घडा भी भर गया है। इस दूध को वह राहगीरों को बेचती है। मुफ्त देती है कभी-कभी मौसम अच्छा हो या खराब, उसे तो अपने रास्ते पर चलना है। मटकियों को संभाल कर ले जाना है ओर परिवार के भरण पोषण मे सहायक बनना है।

गुज्जर अपनी भैंसो को लाठी से हांकता है भैंसें जब उसकी पगड़ी को देखती हे तो कान दबाकर पीछे-पीछे हो लेती है। शायद वे समझती हैं कि मालिक के साथ झगड़ा करना अच्छा नहीं होता है।

इनकी भैंसे मैदान की भैसों की तरह नाजुक मिजाज की नही होती कि जंहा देखा वही पसर गयी। नदी का बरसाती पानी हो या गांव का बदबूदार जोहड़ उसे तो बस लोटना है।

पहाड़ की भैस ऐसी -वैसी जगह नही लोटेगी उसे मखमली घास चाहिये, पीने के लिये साफ-स्वच्छ पानी चाहिए। नहाने के लिये नदी का निर्मल जल, बड़ी प्यारी है इनकी भैंसे ओर उनके कटड़ों का तो कहना ही क्या।

भैंस के बारे मे यों ही लोग पूर्वाग्रह रखते है।

उनका दूध और मक्खन खाते समय तो कभी ख्याल नही आता कि भैंस बीन का आनन्द क्यो नही ले सकती।

कौन कहता हे कि भैस को अक्ल नही होती?

अरे साहब, यही तो मुसीबत है कि समाज मे इतनी झूठी -सच्ची धारणाएं बन गई है जिन्हें लोग बिना सोचे-विचारे सीने से चिपकाये हुये चल रहे हैं। सोचने का काम नही है उनके पास।

भला बताइए, इन गुज्जरों की भैंसो के दूध ओर घी से ही तो आपका भेजा दुरूस्त रहता है।

सारे वैध कहते है घी-दूध से शरीर तो बलिष्ठ होता ही है, मस्तिष्क भी तर रहता है।

मेरे मन मे इसी प्रकार के विचार उठ रहे थे कि एक वृद्ध गुज्जर अपनी भैसों को हाँकता हुआ दिखाई दिया। बड़ी कड़क है उसकी आवाज में।

सारी भैंसे एक जगह इकटठी हो जाती है ओर उसके हुक्म का इन्तजार करने लगती है। वह किसी की पीठ को हाथ से थपकाता है, किसी को पुचकारता है, किसी के कटडै को उसकी माँ के पास ले जाता है, ओर किसी की दवा दारू करने लगता है। इस प्रक्रिया मे दस-पन्द्रह मिनट से ज्यादा नहीं लगते हैं।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 6

मैं आश्चर्यमिश्रित मुद्रा मे खडा यह दृश्य देखता हूँ। बूढ़ा एक क्षण रुकता है और मेरी ओर देखने लगता है।

'आओ बाबू, दूध पीने की ख्वाहिश है क्या?

मै अभी अपनी जुमां का दूध निकाल कर लाया।'

'नहीं बाबा, मै तो आपसे कुछ बात करने का इच्छुक हूं'। मैंने कहा।

'हां-हां बोलिए।'

'कितनी उम्र होगी बाबा आपकी?'

'यही कोई सौ से ऊपर। '

'ओर इस उम्र मे भी इतनी फुर्ती से यह सब कर लेते हो?'

वह मुस्कुराया ।

'बाबू, हमारे यहां के लोग आपके मैदान की तरह आराम -पसन्द नही होते।'

कुदरत के साथ रहते है ओर जंगल की ताजी हवा मे घूमते है। साथ ही कुदरत से लडते भी हे। हम लोग दिखावे से दूर भागते है।

'जैसे बाहर है , वैसे ही भीतर है'

'भारत ओर पाकिस्तान की लड़ाई मे आप कहां थे बाबा ?'

मैं और मेरा बेटा (साठ साल का) दोनों ही पहली लड़ाई मे कशमीर सरहद पर थे। अपनी भैंसो को चरा रहे थे।

'कुछ पाकिस्तानी फौजी हमारी सरहद मे आ घुसे तो हमें शक पड़ गया।'

मैं तो वही रहा, लेकिन मेने अपने बेटे से कहा कि तू तुरन्त हिन्दुस्तानी फौज को आगाह करो।

वह घी लाने का बहाना कर चल पड़ा। उसने जाकर खबर कर दी और हम लोगों ने अपनी धरती की हिफाजत करने का फर्ज पूरा किया।

मैं सोचने लगा- कितना देशभक्त है यह 'यायावर'। रात दिन जंगलों और पहाड़ों मे भटकने वाले इस समाज पर हम घूमन्तू का बिल्ला तो लगा देते है लेकिन कितना ख्याल है हमें उनका?

क्या 26 जनवरी को इनका तमाशा -भर निकालना पर्याप्त रहेगा?

इन्हीं विचारों में खोया मैं अपने पथ पर फिर चल पड़ा।

लेकिन अब आप तो कुछ करिये इनके लिए भी।

हिमालय के यायावर
डॉ. श्याम सिंह शशि
पृष्ठ-31-32-33, संस्करण-1986
(प्रकाशन विभाग-सूचना ओर प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार)

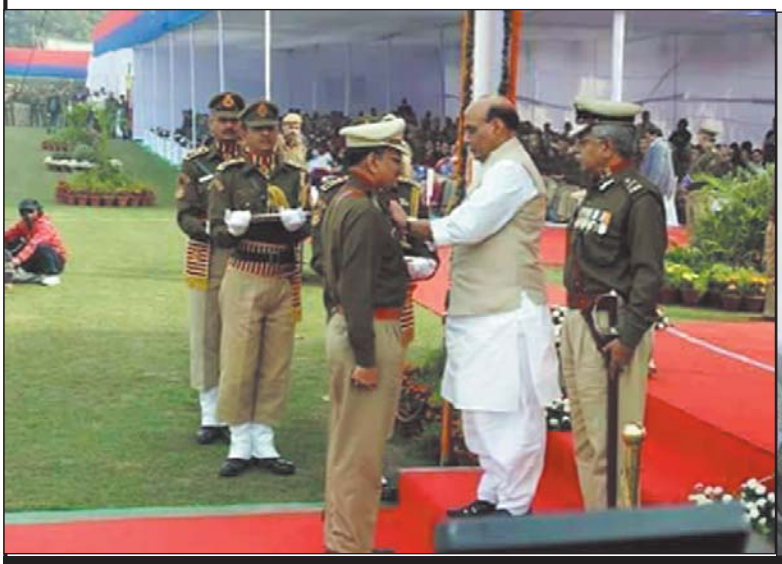

नव नियुक्त एडिशनल पुलिस आयुक्त श्री भैरो सिंह गुर्जर जी (आई.पी.एस.) को पुलिस मुख्यालय (ट्रैफिक) में पदभार संभालने पर बहुत बहुत हार्दिक बधाई ।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 7

गुर्जर हैं तभी सुरक्षित है कश्मीर

यह सत्य है कि अगर एक गुर्जर राजनेता की दृढ़ इच्छाशक्ति नहीं होती तो आज कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं होता। ये गुर्जर राजनेता थे स्वतंत्र भारत के पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल 15 अगस्त 1947 को जब देश स्वतंत्र हुआ और भारत दो टुकड़ों में बंट गया तब भारत सरकार के सामने देशी रियासतों के विलय की समस्या आन खड़ी हुई। विभाजन के पश्चात लगभग 562 रियासतें भारतीय क्षेत्र में बची रहीं। उनको भारत संघ में मिलाना बहुत बड़ी समस्या थी। सरदार पटेल ने बड़ी चतुराई के साथ उन सबका भारत में विलय कर दिया था। केवल तीन रियासतें हैदराबाद, जूनागढ़ तथा जम्मू-कश्मीर ने विलय में कुछ अकड़ दिखाई थी। हैदराबाद तथा जूनागढ़ रियासतों के विरुद्ध पुलिस कार्यवाही की गई तथा उन्होंने एक रात में ही घुटने टेक दिए और भारत संघ में विलय की स्वीकृति दे दी। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राजा हरि सिंह थे। उन्होंने भारत में मिलने की स्वीकृति उस समय दी जब पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया था। पटेल साहब ने अविलम्ब अपनी सेना यहां भेज दी थी तथा बहुत कम समय में दो-तिहाई कश्मीर खाली करा लिया था। तभी पं. नेहरू इस केस को राष्ट्र संघ में ले गए तथा सीज फायर कर दिया गया। पटेल जी ने नेहरू जी से कहा कि केवल 24 घंटे और दे दीजिए सारा कश्मीर मुक्त करा दूंगा। परंतु नेहरू जी नहीं माने और तब से कश्मीर भारत के लिए सिरदर्द बना हुआ है। इस प्रकार पटेल जी ने रियासतों का एकीकरण करके राष्ट्र को मजबूत बनाया था।

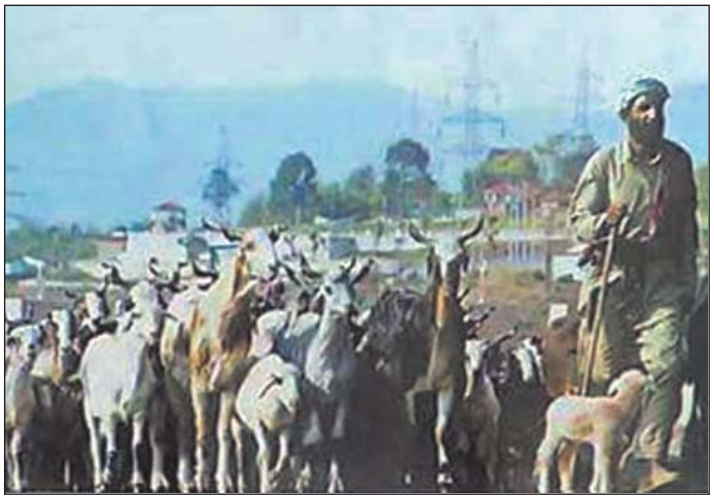

एक गुर्जर राजनेता ने जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर का भारत में विलय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर राष्ट्र के प्रति अपना फर्ज अदा किया उसी परम्परा को अब कश्मीर के गुर्जर भारत की एकता को अक्षुण्य रखने में निभा रहे हैं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में गुर्जर बहुत बड़ी संख्या में रहते है, जो परम देशभक्त एवं राष्ट्रवादी हैं। भारत विभाजन के समय जम्मू-कश्मीर के गुर्जरों ने अपना हक अदा किया था, तभी से पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के गुर्जरों को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता रहा है। आतंकवाद ग्रस्त इस राज्य के गुर्जर लोग समय-समय पर गोपनीय सूचनाएं भारत सरकार को देते रहते हैं। कश्मीर के गुर्जरों ने राष्ट्रहित में अनेक बलिदान दिए हैं। चौ. मास्टर सैद मोहम्मद, चौ. खुशिया, चौ. गुलाम हुसैन, चौ. मीर बख्त, चौ. मोहम्मद सटीक नरा, चौ. गुलाम हसन जैसे कई नाम हैं जिन्होंने राष्ट्र की एकता को कायम रखने में अपना बलिदान दिया है। भारतीय सेना के जवानों ने इन वीर गुर्जरों की याद में मेंढ़र (पुंछ) में स्मारक भी बनाया है।

गौरतलब है कि जिस समय से पाकिस्तान का उदय हुआ है उसी समय से वह भारत को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता रहा है तथा कश्मीर को हड़पने का हर संभव प्रयास करता आ रहा है। देश के विभाजन 1947 से अब तक घोषित और अघोषित अनेक युद्ध भारत के साथ कर चुका है। जम्मू-कश्मीर में मुसलमानों की अधिक संख्या है। इस कारण पाकिस्तान कश्मीर में जनता संग्रह की रट लगाए बैठा है। जबकि यहां जनमत संग्रह कराने का कोई औचित्य नहीं है।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 8

हूण गुर्जरों के गाँवो का सर्वेक्षण

डॉ. सुशील भाटी

बुहलर, होर्नले, वी.ए. स्मिथ, विलियम क्रुक आदि इतिहासकारों ने गुर्जरों को श्वेत हूणों से सम्बंधित माना हैं। कैम्पबेल और डी.आर. भंडारकर गुर्जरों की उत्पत्ति श्वेत हूणों की खज़र शाखा से बताते हैं। भारत में आज भी 'हूण' गुर्जरों का एक प्रमुख गोत्र हैं जिसकी आबादी अनेक प्रदेशो में हैं।

छठी शताब्दी के उतरार्ध में हूण साम्राज्य के पतन के बाद हूण गुर्जरों की उपस्थिति नवी-दसवी शताब्दी में पंजाब में प्रमाणित होती हैं। हूण सम्राट तोरमाण और उसके पुत्र मिहिरकुल (502-542) ई. के सिक्कों पर उनके कुल का नाम 'अलखान' अंकित हैं। राजतरंगिणी के अनुसार पंजाब के शासक 'अलखान' गुर्जर का युद्ध कश्मीर के राजा शंकर वर्मन (883- 902 ई.) के साथ हुआ था। इतिहासकार हरमट के अनुसार हूणों के सिक्कों पर बाख्त्री भाषा में उत्कीर्ण 'अलखान' वही नाम हैं जो कि कल्हण की राजतरंगिणी में उल्लेखित गुर्जर राजा का हैं। इतिहासकार अलार्म के अनुसार 'अलखान' हूण शासकों की क्लेन/कुल का नाम हैं। इतिहासकार बिवर के अनुसार मिहिरकुल का उतराधिकारी 'अलखान' था। अतः भारत में हूण साम्राज्य के पतन के बाद भी पंजाब में तोरमाण और मिहिरकुल के परिवार की शक्ति अक्षुण बनी रही तथा नवी शताब्दी में पंजाब पर शासन करने वाला अलखान गुर्जर उनके 'अलखान' परिवार का वारिस था।

वर्तमान में उत्तराखंड राज्य के हरिद्वार जिले में लक्सर कस्बे के पास हूण गोत्र का 'चौगामा' यानि चार गाँव का समूह हैं। कुआँ खेडा, मखयाली, रहीमपुर और भुर्ना गाँव इस 'हूण' चौगामे का हिस्सा हैं। इनके अतिरिक्त मंगलोर के पास बिझोली गाँव में हूण गुर्जर हैं। वास्तविकता में कुआँ खेडा गाँव के एक हूण परिवार के पूर्वज बिझोली से आकर बसे थे। बिझोली गाँव में आज भी इस परिवार की पुश्तैनी 'सती देवी' के मंदिर हैं। कुआं खेडा का दूसरा परिवार कनखल स्थित प्राचीन मायापुरी नगरी से आया हैं। मायापुरी में भी इनके पूज्य सती मंदिर हैं। इनके अतिरिक्त उत्तराखंड के हरिद्वार जिले मे ही झबरेडा के पास हूण गुर्जरों का एक बड़ा गाँव हैं, जिसका नाम 'लाठ्हरदेवा हूण' हैं।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में सरसावा रेलवे स्टेशन के पास 'अलीपुर-काजीपुर' हूण गुर्जरों के गाँव हैं। मुजफ्फरनगर जिले में पुरकाजी के पास शकरपुर और भदोली गाँव में हूण गोत्र के गुर्जर हैं।

उत्तर प्रदेश के हापुड़ और मेरठ जिले में हूण गोत्र के गुर्जरों का बारहा हैं। बारहा का अर्थ हैं-12 गाँव की खाप या समूह। गोहरा, मुदाफरा, औरंगाबाद, मुक्तेसरा, माधोपुर, पीरनगर, दतियाना, सालारपुर, सुकलमपुरा, मडैय्या, अट्टा और नवल यस 'हूण खाप' के गाँव हैं। इसमें पहले 11 गाँव हापुड़ जिले में तथा बारहवा गाँव नवल मेरठ जिले में हैं। मेरठ में शाहजहाँपुर के पास सदुल्लाह्पुर गाँव में भी हूण गुर्जरों के परिवार रहते हैं।

आगरा जिले में भी हूण गुर्जरों के गाँव हैं।

राजस्थान में हूण गुर्जर मुख्य रूप से अलवर, भरतपुर, दौसा, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा जिले में पाए जाते हैं।

अलवर जिले के सात गाँव में हूण गुर्जर निवास करते हैं। अलवर जिले की तहसील लक्ष्मणगढ़ में बांदका हूण गुर्जरों का प्रमुख गाँव हैं। भरतपुर जिले में डीग के पास 'महमदपुर' हूण गुर्जरों का गाँव हैं। इसी के पास 'अधावाली' गाँव में भी हूण गुर्जरों के कुछ परिवार निवास करते हैं। भरतपुर जिले के बसावर क्षेत्र में 'इटामदा' और 'महतोली' हूण गुर्जरों के गाँव हैं। दौसा जिले में सिकंदरा के पास 'पीपल की' हूण गुर्जरों का प्रसिद्ध गाँव हैं, जो कि अपनी बहादुरी के लिए जाना जाता हैं। अजमेर जिले में 'नारेली' 'लवेरा' 'बासेली' और 'भेरूखेड़ा' हूण गुर्जरों के मुख्य गाँव हैं। टोंक जिले में सरोली, 'गांवडी', 'कल्याणपुर', 'बसनपुरा', 'चान्दली माता' और 'रंगविलास' ग्रामों में हूण गुर्जरों का निवास हैं। गांवडी गाँव में हूण गुर्जरों का पूज्य एक सती मंदिर भी हैं। कहते हैं कि गांवडी में पहले तंवर गुर्जर रहते थे। इन्होने अपनी एक बेटी का विवाह भीलवाड़ा जिले के टीकर गाँव के हूण गुर्जर के साथ कर दिया। किसी कारण वश दोनों परिवारों में संघर्ष हो गया। जिसमें तंवर परिवार के दामाद की मृत्यु हो गई और उसकी पत्नी सती हो गई। बाद में हूण गुर्जर गाँव में आबाद हो गए और उन्होंने अपने पूर्वजों की याद में सती मंदिर का निर्माण करवाया। हिण्डोली

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 9

और बूंदी के कुछ हूण परिवार गांवडी से ही पलायन कर वहां बसे हैं।

कोटा बूंदी का क्षेत्र पूर्व मध्य काल में हूण प्रदेश के नाम से जाना जाता था। बूंदी इलाके में रामेश्वर महादेव, भीमलाढ़ और झर महादेव हूणों के बनवाये प्रसिद्ध शिव मंदिर हैं। बिजोलिया, चित्तौड़गढ़ के समीप स्थित 'मैनाल' कभी हूण राजा अन्नात्सी की राजधानी थी, जहाँ हूणों ने तिलस्वा महादेव का मंदिर बनवाया था। यह मंदिर आज भी पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता हैं। कर्नल टाड़ के अनुसार बडोली, कोटा में स्थित सुप्रसिद्ध शिव मंदिर हूणराज ने बनवाया था। आज भी इस इलाके में हूणों गोत्र के गुर्जरों के अनेक गांव हैं। बूंदी शहर के बालचंद पाड़ा मोहल्ले में भी हूण गुर्जरों की पुरानी आबादी हैं। बूंदी जिले में राणीपुरा, नरसिंहपुरा, रामपुरा, झरबालापुरा, सुसाड़िया आदि हूण गुर्जरों के प्रसिद्ध गाँव हैं। हिण्डोली में नेहडी, सहसपुरिया, टरडक्या और खंडिरिया हूण गुर्जरों के गाँव हैं। कोटा जिले में 'रोजड़ी', राजपुरा और पीताम्बपुरा हूण गुर्जरों के मुख्य गाँव हैं।

चित्तौड़गढ़ जिले की बेगू तहसील में 'पारसोली' हूण गुर्जरों का प्रमुख गाँव हैं। भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर तहसील में टिटोडा.बरोदा, टहला, मोतीपुरा मोहनपुरा और गांगीथला तथा शाहपुरा तहसील में 'बच्छ खेड़ा' हूण गुर्जरों के गाँव हैं। भीलवाड़ा की केकड़ी तहसील में गणेशपुरा गाँव में हूण गुर्जर निवास करते हैं।

छठी शताब्दी के पूर्वार्ध में मध्य प्रदेश के ग्वालियर क्षेत्र में हूणों का आधिपत्य था। हूण सम्राट मिहिरकुल के शासन काल के पंद्रहवे वर्ष का एक अभिलेख ग्वालियर के पास से एक सूर्य मंदिर से प्राप्त हुआ हैं। ग्वालियर जिले की डबरा तहसील में भारस हूण गुर्जरों का प्रमुख गाँव हैं। भारस के पास ही चपराना गुर्जरों का बडेरा गाँव हैं। दोनों गांवों के लोग पग-पलटा भाई माने जाते हैं तथा आपस में शादी नहीं करते। आज भी चंबल संभाग ग्वालियर तथा इसके समीपवर्ती जिलों के गुर्जर बाहुल्य अनेक गाँवों में हूण गुर्जरों की बिखरी आबादी हैं। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में नरवर के पास डोंगरी, और टिकटोली हूण गुर्जरों का प्रसिद्ध गाँव हैं। डोंगरी नल-दमयंती के पौराणिक आख्यान के पात्र मनसुख गुर्जर का गाँव माना जाता हैं। मनसुख हूण गोत्र का गुर्जर था तथा राजा नल का दोस्त था। मनसुख गुर्जर ने संकट के समय राजा नल का साथ निभाया था। आम समाज आज भी मनसुख गुर्जर को एक आदर्श दोस्त के रूप में देखता हैं। डोंगरी में एक किले के भग्नावेश भी हैं जो कि मनसुख गुर्जर का किला माना जाता हैं। भारत के प्रथम हूण सम्राट तोरमाण का अभिलेख मध्य प्रदेश के सागर जिले स्थित एरण स्थान से प्राप्त हुआ हैं। मध्य प्रदेश में हूण गुर्जर भोपाल तक पाए जाते हैं।

महाराष्ट्र के दोडे गुर्जरों में हूण गोत्र हैं। खानदेश गजेटियर के अनुसार दोडे गुर्जरों के 41 कुल हैं। इनमें से एक अखिलगढ़ के हूण हैं।

सन्दर्भ

1. वी. ए. स्मिथ, 'दी गुर्जर्स ऑफ राजपूताना एंड कन्नौज', जर्नल ऑफ दी रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड, 1909, प. 53-75
2. विलियम क्रुक, 'इंट्रोडक्शन', अनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान, खंड, (संपा.) कर्नल टॉड
3. ए. आर. रुडोल्फ होर्नले, 'सम प्रोब्लम्स ऑफ ऐन्शिएन्ट इंडियन हिस्ट्री, संख्या दी गुर्जर क्लैन्स', जे.आर.ए.एस., 1905, प. 1- 32
4. सुशील भाटी, 'शिव भक्त सम्राट मिहिरकुल हूण', आस्पेक्ट ऑफ इंडियन हिस्ट्री, समादक- एन आर. फारुकी तथा एस. जेड. एच. जाफरी, नई दिल्ली, 2013, प. 715-717
5. एम. ए स्टीन (अनु.), राजतरंगिणी, खंड द्वद्व प. 464
6. जे.एम. कैम्पबैल, दी गूजर, बोम्बे गजेटियर, खण्ड, भाग 2, 1901, प. 501
7. ए. कुर्बनोव, दी हेप्थालाइटस-आरकिओलोजिकल एंड हिस्टोरिकल एनालिसिस (पी.एच.डी थीसिस) बर्लिन 2010, प. 100
8. वी. ए. स्मिथ, 'व्हाइट हूण कोइन ऑफ व्याघ्रमुख ऑफ दी चप (गुर्जर) डायनेस्टी ऑफ भीनमाल', जर्नल ऑफ रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड, 1907, प 923-928
9. बी. एन. पुरी, हिस्ट्री ऑफ गुर्जर-प्रतिहार, नई दिल्ली, 1986, प. 12-13
10. डी. आर. भण्डारकर, 'फारेन एलीमेण्ट इन इण्डियन पापुलेशन', इण्डियन ऐन्टिक्वैरी खण्ड रु. 1911,
11. खानदेश डिस्ट्रिक्ट गजेटियर

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 10

हैदराबाद में बनेगा ऐतिहासिक देवनारायण मंदिर

हैदराबाद में गुर्जर समाज तेलंगाना की ओर से लोकदेवता भगवान देवनारायण का करोड़ों की लागत से भव्य मंदिर निर्माण करवाया जाएगा। मंदिर निर्माण को लेकर गुर्जर समाज के अध्यक्ष देवीदत्त गुर्जर की अध्यक्षता में मलकपेट के मात्रिकास में ट्रस्टियों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मंदिर ट्रस्ट, मंदिर की डिजाइन, लागत और समितियों पर मंथन हुआ। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष देवीदत्त गुर्जर ने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है लिहाजा उसे जिंदा रखना हमारा फर्ज है ताकि आने वाली पीढ़ियां मरुधरा का उसी स्वरूप में याद रखें। गुर्जर ने कहा कि मंदिर के निर्माण से गुर्जर समाज में एकता बढ़ेगी और समाज एक जाजम पर आकर समाज सुधार के कामों का आगे बढ़ा पाएगा।

बैठक में संस्था अध्यक्ष देवीदत्त कोली, तरूण कोली, मीनादेवी कोली, पुजा कोली, नोयल गुर्जर, नाथूराम गीड़, विष्णु भावला, राणाराम कटारिया, बहादुरराम भालोट, चेनाराम नरषंण, बहादुरराम कालस, कानाराम कालस, देवाराम कोली, भीकाराम चांदेला, शिवलाल नरषंण, भियाराम कालस, बहादुरराम मोटर, भाकरराम मोटर, चेनाराम लिढ़िया, धनाराम कोली, हाथीराम कवाड़ा, दुदाराम चव्हाण, मांगीलाल, मुरली चौपड़ा, सुभाष फागणा, लक्ष्मण, चेनाराम, अमराराम फागणा, पप्पुराम फामड़ा, भागुराम फारक, ईश्वर तंवर को मंदिर का ट्रस्टी बनाया गया है। वहीं गोविंद चौपड़ा, बादरराम चांदिला और बक्साराम हाकला को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। समाज की आगामी बैठक में ट्रस्टियों और कार्यकारिणी सदस्यों की तादाद बढ़ाने पर और चर्चा होगी। बैठक में समाज की ओर से खरीदे गए प्लॉट पर जल्द ही चारदीवारी और पेयजल की व्यवस्था करने के साथ ही पेड़-पौधे लगाने का भी ऐलान किया गया।

दहेज एक्टःफर्जी केस पड़ेगा भारी

महिला पर 15 हजार रूपए तक जुर्माना भी संभव

नई दिल्ली। दहेज प्रताड़ना का फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाली महिलाओं के खिलाफ भी अब कार्रवाई होगी। ऐसी महिलाओं पर जुर्माना तो लगेगा ही साथ ही संबंधित महिला का नाम फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वालों की सूची में दर्ज कर लिया जाएगा। इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को आदेश जारी कर दिए हैं। माना जा रहा है कि इस आदेश के बाद दहेज प्रताड़ना (498 ए) के फर्जी मामलों में कमी आएगी।

98 परसेंट केस झूठे

देशभर में एक साल में दर्ज 9 लाख 68 हजार 728 मामलों में से कोर्ट ट्रायल में सिर्फ 17 हजार 542 मुकदमें में ही आरोपी दोषी साबित हुए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था जांच अधिकारी दहेज प्रताड़ना के मामले में केवल महिला के बयान के आधार पर आरोपी के पूरे परिवार और रिश्तेदारों को अरेस्ट नहीं कर सकता। इसके लिए अदालती आदेश का पालन करते हुए इस मामले में निर्धारित दस सवालों के उत्तर तैयार कर वह संबंधित क्षेत्र के जिला अधिकारी को रिपोर्ट सौंपेगा। जिला अधिकारी की मंजूरी के बाद ही आरोपियों की गिरफ्तारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के इसी मामले का हवाला देते हुए राज्यसभा ने दहेज प्रताड़ना से संबंधित कानून में संशोधन के लिए लोगों से सुझाव मांगे थे।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 11

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के 110 वें स्थापना दिवस पर गुर्जर महासम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन में दूरियां घटाओं, भाईचारा बढ़ाओं, समाज और राष्ट्र मजबूत बनाओं का संकल्प

सुरेन्द्र खटाना

नई दिल्ली। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के 110 वें स्थापना दिवस पर रफी मार्ग स्थित मावलंकर भवन में गुर्जर महासम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश के करीब 14 प्रदेशों से महासभा के पदाधिकारियों सहित कई गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सम्मेलन की कार्यसूची के अनुसार सर्वप्रथम श्री शंकराचार्य जी महाराज ने दीप प्रज्वल्लित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके उपरांत उत्तरप्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड विधानसभा में विजयी विधायकों को प्रतीक चिन्ह, शॉल भेंटकर व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। साथ ही गुर्जर समाज की विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को समाज की ओर से उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभाओं में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल, साहित्य, कला और प्रशासनिक सेवाओं में विशेष पहचान कायम करने वाली विभूतियों को ही चयनित किया गया था। सभी अतिथियों का महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और प्रदेश कार्यकारिणियों ने भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामशरण भाटी ने की। इस कार्यक्रम की कार्यसूची के अनुरूप गुर्जर समाज ने महासभा संगठन के माध्यम से उसकी 110 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर जातीय उत्थान में अपनी भूमिका निभाने वाले सभी महानुभावों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की तथा राष्ट्र सेवा को अपना धर्म मानने वाली गुर्जर जाति के प्रति अपने राष्ट्रीय दायित्व के संकल्पों को पूरा करने की वचन बद्धता दोहराई। समाज के अनेक प्रबुद्ध वक्ताओं ने देश के वर्तमान परिवेश में अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए अपने मत व्यक्त किए और कहा कि वर्तमान में अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण की स्थितियां हमारे लिए सर्वाधिक चुनौती पूर्ण हैं। राजस्थान में पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से भी हम आज वंचित हो गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा सवैंधानिक अधिकार प्राप्त नया आयोग गठित करने का प्रस्ताव लोकसभा से पारित हो चुका हैं, उसके बनने के उपरांत हमें संगठित होकर पुन: आयोग के समक्ष नए प्रावधानों में अपनी स्थिति को रेखांकित करने का गुरुतर दायित्व पूरा करना होगा। क्योंकि सरकारें वर्ग विशेषों के दबाव में फैसले लेने की आदी हो चुकी हैं। जिससे गुर्जर समाज को अपने अधिकारों से वंचित होने का डर बना हुआ है। अत: इसके लिए आवश्यक है हम अपने रक्त संबंधों वाले अन्य जाति समूहों के साथ सामाजिक एकीकरण कर अपनी लोकतान्त्रिक शक्ति को बढ़ाएं। इन जातिय वर्ग समूहों में हमारे निकटस्थ कुर्मी, लेवा, कड़वा, मराठा, पाटिल, पाटीदार, पटेल, पासी और पासवान आदि आते हैं। गुर्जर समाज धर्म और वर्ग की सीमाओं से ऊपर राष्ट्र धर्म को अपना जीवन धर्म मानता

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 12

है। और मानवता का हर स्तर पर समर्थन करता है।

मिडिया गुर्जर समाज की इस नई पहल को राष्ट्रहित में अपना समर्थन दे। गुर्जर महासभा राष्ट्र सेवामहे के संकल्प के साथ दूरियां घटाओ, भाईचारा बढ़ाओ, समाज और राष्ट्र मजबूत बनाओ के संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहती है।

श्री शंकराचार्य जी महाराज ने गुर्जर जाति को एक मजबूत व ताकतवर समाज बताते हुए कहा कि गुर्जर समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है इस समाज ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर किया और आज भी ये जाति देश के लिए मर मिटने को तैयार है। उन्होंने गुर्जर महापुरुषों के जीवन का वर्णन देते हुए कहा कि इस जाति में गुर्जर सम्राट मिहिर भोज जैसे महान राजा हुए। दिल्ली पुलिस के अधिकारी भैरोसिंह गुर्जर ने कहा कि वर्ष 2017-18 को हमारे समाज के लिए संपूर्ण शिक्षा का वर्ष घोषित करें। उन्होंने केरल राज्य का शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ने का उदाहरण देते हुए कहा कि जब केरल पूरा राज्य शिक्षा के क्षेत्र में आगे जा सकता है, लक्ष्य संभव हो तो हमारा समाज भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे जा सकता है। इसके लिए हमें कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि गुर्जर महासभा पूरे समाज का एक बड़ा संगठन है। महासभा के पदाधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों में सर्वे करना होगा जहां पर हम शिक्षा, राजनैतिक व सामाजिक रूप से पिछड़े हुए हैं। ऐसे क्षेत्रों में पहुँचकर जागृति लाने का कार्य करें। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया। हरदा के विधायक व अखिल भारतीय गुर्जर महासभा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डॉ. आरके दोगने ने महिला शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि परिवार की हर बालिका को आज समाज को शिक्षित करने की आवश्यकता है। तभी समाज तरक्की के पथ पर चलेगा। इसलिए समाज को महिला शिक्षा के महत्व को समझकर बालिका शिक्षा पर जोर देना पड़ेगा। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म कर दुर्व्यसनों से दूर होना पड़ेगा। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व समाजसेवी नेपाल सिंह कसाना ने कहा कि समाज शिक्षित व एकजुट होगा तभी आगे बढ़ेगा। विशेषकर समाज के विकास के लिए बालिकाओं को शिक्षित करना जरुरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की शक्ति उसकी एकजुटता से होती है। सभी के सहयोग से ही समाज को नई ऊँचाई दी जा सकती है। पंजाब से नवनिर्वाचित विधायक जयकृष्ण गुर्जर ने गुर्जर महासभा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गुर्जर महासभा हमारे समाज का सबसे मजबूत संगठन है। इस संगठन ने हमेशा समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि गुर्जर बाहुल्य क्षेत्रों में आपसी खींचतान के चलते कई दफा चुनाव में निराशा होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर ध्यान देने व सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने से ही सामाजिक रफ्तार बढ़ेगी। अखिल भारतीय महिला गुर्जर महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष व जयपुर की पूर्व मेयर शील धाभाई ने महिला शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि समाज विकास में सहयोग के लिए महिलाओं को आगे आना होगा। उत्तरप्रदेश के विधायक तेजपाल सिंह नागर ने कहा कि हमारे समाज में एकजुटता की कमी होने के कारण समाज पिछड़ा हुआ है। इसी का परिणाम रहा कि उत्तरप्रदेश में गुर्जर समाज की आबादी करोड़ों में होने के बाबजूद सिर्फ 6 विधायक निर्वाचित हो पाये। उन्होंने कहा कि समाज एकजुट होता तो उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में हमारा प्रतिनिधित्व बढ़ सकता था। समाज के अन्य गणमान्य महानुभावों ने भी बदलते परिवेश में महासभा की नयी सामाजिक-राष्ट्रीय सोच का समर्थन किया। समस्त माननीय जनप्रतिनिधियों ने महासभा के उद्देश्यों के प्रति अपना नैतिक समर्थन प्रकट किया तथा राष्ट्र सेवामहे को अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित कर अपनी समस्त निष्ठाओं के साथ महासभा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मेलन की सफलता और व्यवस्था से प्रसन्न महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामशरण भाटी ने अपने अध्यक्षीय सन्देश में सबका हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि मैं तो आपके बीच का साधारण सा कार्यकर्ता हूँ। मेरी नजर में प्रत्येक जाति बंधु महासभा का सर्वोच्च पदाधिकारी है। बशर्ते की उसके द्रष्टिकोण में संगठन की महत्ता और जाति का हित चिंतन विद्यमान हो। महानुभावों संगठन का धर्म आपके सहयोग से संघर्ष करना है, अपने अधिकारों को प्राप्त करना है और शासन-प्रशासन से संवाद कर आपकी पहचान को कायम रखना है। भाटी ने कहा कि मैं स्वीकारता हूँ कि हमें अभी और सशक्त होकर काम करना होगा। अतीत की भूलों से सबक लेकर उन्हें दूर करना होगा। हमें व्यक्ति के पद और उसकी

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 13

महत्वाकांक्षा से हटकर उसकी संगठन निष्ठा को मूल्यांकित करना होगा। आप सहमत होंगे कि महत्व व्यक्ति विशेष का नही, बल्कि संगठन का है और उसके उद्देश्यों के प्रति व्यक्ति की निष्ठाओं का है। सभा के अंत में कार्यक्रम के संयोजक महासभा के संगठन मंत्री व प्रचार-प्रसार प्रभारी चौधरी विनोद नागर व युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर (सचिन भाई) ने समाज के सहयोग के प्रति धन्यबाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारा कथन तो कर्म के रूप में आगे बढ़ने का संकल्प है। इससे पूर्व अखिल भारतीय गुर्जर महासभा इतिहास के आईने में एवं मेरा समाज मेरा जीवन दो पुस्तकों का लोकार्पण उपस्थित जनसमूह की करतल ध्वनि के मध्य मंचस्थ महानुभावों के हाथों सम्पन्न हुआ। संचालन राजपाल सिंह कसाना द्वारा किया गया।

51 किलों की माला से किया स्वागत

अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा के कार्यकर्ताओं ने महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संदीप रावत, महासचिव विजय डेढ़ा व मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना के नेतृत्व में गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामशरण भाटी, संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महामंत्री डॉ. जिले सिंह कपासिया व युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर (सचिन भाई) आदि पदाधिकारियों का 51 किलों की माला पहनाकर स्वागत किया।

इन्होंने भी किया संबोधित- कार्यक्रम को गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. जिले सिंह कपासिया, हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष रामरतन कटारिया, उत्तरप्रदेश के गंगोह से विधायक प्रदीप चौधरी, पंजाब के इनकम टैक्स कमिश्नर हरिकृपाल खटाना, महिला गुर्जर महासभा की पदाधिकारी डॉ. नीलम पंवार, डॉ. बबीता सिंह, सोनल भाटी, उत्तरप्रदेश के रामकुमार नागर, रूपचंद नागर, दिनेश गुर्जर, राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के युवा पदाधिकारी प्रहलाद खटाना प्रतिहार, यतीन्द्र नागर, डॉ. तिलकराज गुर्जर, श्रीनाथ गुर्जर, रोहिताश चौधरी, इतिहासकार खुर्शीद भाटी आदि ने भी संबोधित किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में राज्यसभा के पूर्व निदेशक चमन सिंह वर्मा, गुर्जर महासभा जम्मू कश्मीर के पदाधिकारी रहमान पोसवाल, उत्तरप्रदेश गुर्जर महासभा के अशोक कसाना, रविन्द्र अवाना, राजेन्द्र पंवार, छाया विकल, कमल बिधुड़ी गुड़गांव, समाजसेवी चौधरी चरण सिंह लोहिया, युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संदीप रावत, महासचिव विजय डेढ़ा, उपाध्यक्ष राजेश युवा गुर्जर, मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना, मध्यप्रदेश से राजवीर पटेल, योगी कपासिया, प्रदीप गुर्जर, ज्ञानसिंह गुर्जर, राजस्थान से मनफूल सिंह, रामकिशोर पटेल,

पार्षद गोपेन्द्र गुर्जर, नरेन्द्र नीरू खटाना, राजेश बोटू खटाना, लोकेश पीपलखेड़ा, अमर पोसवाल, अशोक खटाना, हरकेश खटाना, सतवीर अवाना, दीपेश गुर्जर पाली, जयप्रकाश गुर्जर, पूर्व प्रधान पूरन सिंह गुर्जर धौलपुर, श्रीराम चंदेला भरतपुर, अजय अवाना, सुबेदार शीशराम गुर्जर, सुगर सिंह गुर्जर, मलखान सिंह, धर्मेन्द्र भगत, ओमपाल गुर्जर, डॉ. तिलकराज गुर्जर, सुमित अम्बाबता, रवि लोहिया, सौरभ बैंसला सहित बड़ी संख्या में समाज के महानुभावों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इन प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

गुर्जर समाज की विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को समाज की ओर से उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभाओं में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल, साहित्य, कला और प्रशासनिक सेवाओं में विशेष पहचान कायम करने वाली विभूतियों को ही चयनित किया गया था। जिनमें 119 वर्ष के इंटरनेशनल धावक धर्मपाल गुर्जर, पुश में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले खानपुर दिल्ली के रोहिताश चौधरी, आईआरएस यतीन्द्र नागर, केंद्रीय सचिवालय में मुकबाधिर अधिकारी कनिका कसाना, भारतीय खेल प्राधिकरण के बाबूराम रावल, कब्बडी रैपरी अजीत बिधुड़ी, रामवीर बिधुड़ी, योग गुरु भारती योगी, क्रिकेट खिलाड़ी परमिंदर अवाना, भूवनेश्वर गुर्जर के पिता जी, भविष्य गुर्जर, रूद्र बिधुड़ी, इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी अनीता मावी, पिंकी अम्बाबता, आशिष छोकर, सूरज पोसवाल, अजय चंदीला,

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:54 PM Page 14

विशंबर चपराना, कुश्ती में रेणु गुर्जर, लुक्का गुर्जर, सोनिका नागर, इंटरनेशनल बॉक्सर गौरव बिधुड़ी, बास्केटबॉल खिलाड़ी सौरव लोहिया, पैरा नेशनल कांस्य पदक विजेता रणजीत खटाना, गायक कलाकारों में हरियाणा के सुभाष फौजी, देशभक्ति गायक हार्दिक गुर्जर व कवियों में जगदीश खटाना भरतपुर, वेदप्रकाश वेद, सुरेन्द्र साधक, देव नागर आदि सहित सैकड़ो प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

इनको मिला विशेष सम्मान-

समाज में सराहनीय कार्य करने व संगठन में विशेष उल्लेखनीय योगदान देने पर अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संदीप रावत, महासचिव विजय डेढ़ा, मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना, हिण्डौन सिटी के पार्षद गोपेन्द्र गुर्जर व ग्वालियर के राजवीर पटेल का महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामशरण भाटी, संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महामंत्री जिले सिंह कपासिया व युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर ने माला, शॉल व महासभा का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

गुर्जर समाज के 217 गांव, यहां कोई नहीं पीता शराब, पी तो जुर्माना

शिवपुरी। जिले के 11 गांव के गुर्जर समाज के ऐसे लोग जो अब तक शराब बेचने का कारोबार करते थे, उन्होंने समाज के आग्रह पर शराब बेचने से तौबा कर ली है। खास बात यह है कि जिले के 217 गांवों में बसे गुर्जर समाज के लोगों ने शराब न पीने के साथ नशे से दूर रहने का संकल्प लिया है। गांव में लोग नशे की गिरफ्त में न आएं, इसलिए 5 सदस्यीय कमेटी भी गठित है, जो निगरानी करती है और एक युवक को जब शराब पीते देखा गया तो उस पर 11 हजार रुपए का दंड लगाया गया जिसे युवक ने जमा भी किया और अब तक नशा करने के लिए समाज से माफी भी मांगी।

जिले के आठों विकासखंड में गुर्जर समाज के लोग बसे हुए हैं समाज के जिला समिति के सदस्य अमर सिंह कोटिया की मानें तो जिले में 1.50 लाख के आसपास गुर्जर समाज के लोग है जिनमें से पोहरी, शिवपुरी, करैरा, कोलारस में 1 लाख से अधिक गुर्जर है जबकि शेष विकासखंडों में 50 हजार गुर्जर हैं। जो जिले की 600 ग्राम पंचायतों में से 217 ग्राम पंचायतों में बसे हुए है। इन सभी ने शराब बंदी का निर्णय लिया था पर जिले में गुर्जरों के 11 गांव ऐसे थे जिनमें कुछ गुर्जर ऐसे थे जो शराब का व्यवसाय करते थे इन गुर्जरों के बारे में जब ग्रामीण समिति के माध्यम से जानकारी लगी तो इनसे मुलाकात करने जिला स्तरीय समिति पहुंची जिसने शराब न बेचने की बात कही और समाज के पुश्तैनी धंधे दूध बेचने का काम शुरू करने को कहा। आखिर में इन गांव के लोगों ने संकल्प लिया कि वह अब कभी भी शराब न तो बेचेंगे और न ही पिएंगे।

11 जून से पारित हुआ पंचायत का फरमान, नियम तोड़ा तो सजा तय

11 जून से लागू किए गए शराबबंदी के इस निर्णय के उल्लंघन करने वाले को 11हजार के अर्थदंड का निर्णय हुआ था और इसके बाद यदि वह दोबारा नशा करता मिला तो समाज से बहिष्कृत करने की बात थी ऐसे में उडवाहा गांव के एक युवक को 11 हजार का अर्थदंड भी लगाया जिसे युवक ने जमा भी कर दिया अब यदि वह दोबारा नशा करता पाया जाता है वह समाज से बहिष्कृत कर दिया जाएगा।

नशे में होने वाले अपराधों में आई कमी, खुशियां बढ़ीं

समाज की शराब बंदी के साथ नशा न करने के संकल्प को लेकर गुर्जर समाज की महिलाओं में खासा उत्साह है वह इस बात को लेकर खुश है कि अब आपस में झगड़े नहीं होते और जो पैसे नशे में खर्च होते थे वह बच्चों की खुशियों पर खर्च होने लगे हैं।

संपादक

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 15

पंजाब के नव निर्वाचित विधायकों का गुर्जर समाज कल्याण परिषद चण्डीगढ़ तथा पंचकूला द्वारा सम्मान समारोह

आज गुर्जर समाज कल्याण परिषद चण्डीगढ़ तथा पंचकूला द्वारा गुर्जर भवन २८डी चण्डीगढ़-में पंजाब के नव निर्वाचित विधायक चौधरी दर्शन लाल विधायक बलाचौर तथा श्री जय कृष्ण सिंह विधायक गढशंकर को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पंजाब हरियाणा तथा चण्डीगढ़ से सैंकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। जिन्होंने बड़े उत्साह के साथ अपने इन विधायकों का सम्मान किया। इन विधायकों को स्मृति-चिन्ह व शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। गुर्जर समाज में अपने विधायकों के प्रति बहुत उत्साह का माहौल था। इन दोनों विधायकों ने अपने भाषण में समाज का सम्मान रखने का आश्वासन दिया। तथा यह प्रण किया कि हम ऐसा कोई काम नहीं करेगें, जिससे समाज का अहित या शर्मिंदा होना पड़े, उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि समाज की भलाई व प्रगति के लिए गुर्जर समाज कल्याण परिषद उनकी जो भी जिम्मेवारी लगाऐगा, वे उसे निभाने में पूरी लग्न व ईमानदारी से हर सम्भव प्रयत्न करेगें।

इस अवसर पर गुर्जर समाज कल्याण परिषद चण्डीगढ़ के प्रधान कर्नल सतंराम मीलू तथा पंचकूला परिषद के प्रधान बिग्रेडियर गुरमेल सिंह ने अपने-अपने परिषद के कार्यक्रमों की रूपरेखा की जानकारी दी।

पंजाब से आऐ सीनियर क्रांगेस नेता श्री प्रेमचन्द्र भीमा तथा चौधरी रामप्रकाश व समाज-सेवी प्रोफेसर महिन्द्र सिंह बागी ने अपने भाषण में बलाचौर,गढंशकर तथा आनन्दपूर-साहब इलाके में पडे अधूरे कामों के बारे में विधायकों को जानकारी देते हुऐ शीघ्र पूर्ण करने का अनुरोध किया। इन वक्ताओं ने यह भी कहा कि हमें पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमिरदर सिंह से भी मांग रखनी चाहिए कि पंजाब में गुर्जर बिरादरी की जनसख्या को ध्यान में रखते हुऐ चौधरी दर्शन लाल विधायक बलाचौर को अपनी मंत्री परिषद में शामिल किया जाऐ। तथा इसके साथ ही कण्डी विकास बोर्ड का पुर्नगंठन करने के लिए भी पंजाब सरकार से मांग की।

इस अवसर पर श्री मनवीर सिंह भडाना चेयरमैन हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन तथा श्री बलवीर सिंह सैशन जज रिटायर्ड भी उपस्थित थे।

नरेन्द्र कुमार भीलू
महासचिव

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 16

अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल डी.सी.एस. प्रताप (रिटायर्ड)

श्री लेफ्टिनेंट कर्नल डाल चंद सिंह प्रताप का जन्म पीलवान गोत्र के गुर्जर परिवार में लालपुर गाँव, मेरठ, उत्तर प्रदेश के श्री लखपत सिंह जी के यहाँ 4 जुलाई 1925 को हुआ। मेरठ कॉलेज, मेरठ से आपने शिक्षा प्राप्त की। खेलकूद का शौक प्रारम्भ से ही था। सीधे सैनिक अफसर चुने जाने पर उन्होंने डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज से 1955-1956 में शिक्षा प्राप्त की। आपको 19 नवम्बर 1944 को कमीशन मिला था। 5 मई 1957 में नागा हिल पर मुठभेड़ में साहस प्रदर्शित करते हुए घायल हुए। 9 अप्रैल 1959 में राष्ट्रपति द्वारा अशोक चक्र दिया गया। श्री लेफ्टिनेंट कर्नल डाल चंद सिंह प्रताप अशोक चक्र प्राप्त करने वाले पहले गुर्जर थे। सदा से जीवन में आशा, उत्साह, और साहस का अपूर्व सामंजस्य स्थापित करते हुए आपने वीरता की जो मिसाल कायम की वह देश भर के गुर्जरों के लिए गौरवपूर्ण है। 9 अप्रैल 1959 को सांय काल 4 बजे दरबार हाल अलंकरण समारोह, राष्ट्रपति भवन में श्री लेफ्टिनेंट कर्नल डाल चंद सिंह प्रताप, 5 गोरखा राईफल्स को राष्ट्रपति द्वारा सेना का महत्वपूर्ण सबसे बड़ा पदक - अशोक चक्र (द्वितीय श्रेणी) दिया गया। इस अवसर पर निम्न वाचन पढ़ा गया-

25 मई 1957 को नागा पहाड़ियों के चिशिलिमी क्षेत्र में 5 गोरखा राईफल्स, मेजर डाल चंद सिंह प्रताप की कमान में संक्रिया में लगी हुई थी। इस कंपनी का करीब 100 उपद्रवियों से मुकाबला हुआ जो मशीन गनों और टौमी तथा स्टेन गनों और राईफल्स से सुसज्जित थे। रास्ते में पास ही ऊपर उठी हुई जमीन में वे लोग अच्छी तरह छिपे हुए थे और उन्होंने 20 गज के फांसले से फायर करना शुरू किया। हल्की मशीनगन का एक विस्फोट मेजर प्रताप की दाहिनी जाँघ में लगा। आपने घावों की परवाह ना करते हुए हमला किया और उपद्रवी गनमैन को मार गिराया। ठीक उसी समय दूसरी हल्की मशीनगन से मेजर प्रताप पर बायीं ओर से फायर आरम्भ हुआ जो उनसे 30 गज के फासले पर थी। इस फायर से उनके चेहरे और सीने पर गोली लगी जिससे वे बुरी तरह घायल होकर गिर पड़े।

यद्यपि मेजर प्रताप इस प्रकार घायल हो चुके थे फिर भी उन्होंने अपनी पिछली प्लाटून को आदेश दिया कि वह एक तरफ से उपद्रवियों पर हमला करें। उनकी कंपनी ने उनकी वीरता और साहस से प्रेरणा लेते हुए इतने विश्वास के साथ उपद्रवियों पर हमला किया कि वे पीछे हटने पर मजबूर हुए। कंपनी के दो सिपाही हताहत हुए जिनमें से एक मेजर प्रताप स्वयं थे, जबकि कंपनी ने 10 उपद्रवियों को हताहत किया।

मेजर प्रताप का वीरतापूर्ण नेतृत्व और व्यक्तिगत साहस उनके जवानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना।

प्रस्तुति : राजीव 'नबल' मेरठ

प्रतिभाशाली छात्रा प्रियंका गुर्जर का किया सम्मान

बयाना। अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा द्वारा यहां नंगला स्टोर स्थित बैंसला सदन में प्रतिभाशाली छात्रा प्रियंका सिंह गुर्जर का सम्मान किया गया। चन्दोलपुरा निवासी उदयभान सिंह मावई की पुत्री प्रियंका सिंह ने पिछले महीने 10 वीं सीबीएससी बोर्ड के आये परीक्षा परिणाम में 10 सीजीपीए अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की थी। अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा के कार्यकर्ताओं ने प्रियंका गुर्जर का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान प्रियंका गुर्जर ने कहा कि दृढ़संकल्प से ही हर मुश्किल कार्य को आसान किया जा सकता है। उन्होंने समाज के छात्र-छात्राओं से मन लगाकर अध्ययन करने की बात कही। प्रियंका गुर्जर ने बताया कि वह भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज सेवा करना चाहती है। इस दौरान अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना, रामवीर बैंसला, उदयभान सिंह मावई, लोकी गुर्जर समराया, पुष्पा गुर्जर,

सोनम गुर्जर, नकुल बैंसला, विवेक गुर्जर, सौरभ खटाना सहित महासभा के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रस्तुति : सुरेन्द्र खटाना, कैमरी

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 17

गुर्जर समाज की महिलायें घूँघट नहीं करेंगी

वर्षों से घूंघट के पीछे रही गुर्जर महिलाओं को सशक्त बनाने की बयार बहने लगी है। इस मुहिम की अगुवाई युवा पीढ़ी कर रही है। सोच में यह बदलाव बुधवार को ग्रेटर नोएडा के डेल्टा दो सेक्टर में हुए अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस में साफ नजर भी आया। पहली बार गुर्जर महिलाएं इतनी अधिक संख्या में किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में न केवल शामिल हुई, बल्कि मंच भी संभाला। महिलाओं ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए समाज के गंभीर मुद्दों पर विचार रखे। महिलाओं के इस रूप से हतप्रभ पुरुष उनके आत्मविश्वास और सोच के कायल हो गए। विभिन्न क्षेत्र में मुकाम हासिल कर चुकी महिला गुर्जर प्रतिभाएं मंच पर प्रेरणा स्त्रोत के तौर पर उपस्थित थीं। मंच से उद्घोष किया गया कि गुर्जर महिलाएं अब घूंघट नहीं करेंगी। वह पुरुषों के साथ हर काम में हाथ बंटाएंगी। वहां मौजूद सभी महिलाओं ने जोश भरे अंदाज में हाथ उठाकर इसका समर्थन किया।

78 ईसवी 22 मार्च को गुर्जर सम्राट कनिष्क का राज्यारोहण दिवस हुआ था। इस दिन को गुर्जर समाज हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस के रूप में मनाते हैं। ग्रेटर नोएडा में पहली बार इसका आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल एवं गुजरात से गुर्जर शामिल होने पहुंचे। सभी ने एकजुट होकर महिलाओं की दिशा दशा सुधारने का संकल्प लिया। बेटियों की शिक्षा, समान अधिकार, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अवसर देने के साथ ही भरपूर सुविधाएं देने पर सहमति जताई। यह भी निर्णय लिया गया कि गुर्जर अब अपनी बेटियों को नौकरियों में भेजने से परहेज नहीं करेंगे। सम्मेलन में पहुंची आइआरएस अधिकारी सुनीता बैंसला, एवरेस्ट फतह कर चुकी सुनीता गुर्जर, कॉमनवेल्थ खेलों में परचम लहरा चुकी बबीता नागर, रेडियो कलाकार अर्चना सुहासिनी गुर्जर व अल्पना सुहासिनी गुर्जर, शिक्षा के क्षेत्र में पहचान स्थापित कर चुकी मोनिका भाटी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्र संघ उपाध्यक्ष प्रियंका छाबडी व यूनेस्को द्वारा यूथ आइकान अवार्ड से नवाजी गई महामेधा नागर, दिव्यानी मोटला को समाज के सामने रोल मॉडल के तौर पर पेश किया गया। इन प्रतिभाओं ने समाज की महिलाओं एवं युवा पीढ़ी में जोश भरते हुए कहा कि उन्हें अपने अधिकार और क्षमता को पहचानना होगा। अवसरों की कोई कमी नहीं है।

अपने घुटने कभी मत बदलिये

डॉ. राहुल जैन

50 साल के बाद धीरे धीरे शरीर के जोड़ो मे से लुब्रीकेन्टस एवं कैल्शियम बनना कम हो जाता है जिसके कारण जोड़ो का दर्द, गैप, कैल्शियम की कमी, वगैरह प्रोब्लम्स सामने आती है, जिसके चलते आधुनिक चिकित्सा आपको जोइन्ट रिप्लेस करने की सलाह देते है । किंतु क्या आपको पता है जो चीज कुदरत ने हमे दी है वो आधुनिक विज्ञान नही बना सकता आप कृत्रिम जोइन्ट फिट करवा कर थोडे समय 2-4 साल तक तो ठीक हो सकते है लेकिन बाद मे आपको बहुत ही तकलीफ होगी । जोइन्ट रिप्लेसमेंट का सटीक इलाज आज मैं आपको बता रहा हूँ वो आप नोट कर लीजिये, और हाँ ऐसे हजारों जरुरत मंद लोगों तक पहुंचाए जो रिप्लेसमेंट के लाखों रुपये खर्च करने मे असमर्थ है।

बबूल (देशी कीकर) नाम के वृक्ष को आपने जरुर देखा होगा यह भारत में हर जगह बिना लगाये ही अपने आप ऊग जाता है । अगर यह बबूल नाम का वृक्ष अमेरिका या विदेशों में इतनी मात्रा मे होता तो आज वही लोग इसकी दवाई बनाकर हमसे हजारो रुपये लुटते लेकिन भारत के लोगों को जो चीज मुफ्त में मिलती है उसकी कोई कदर नही है।

प्रयोग इस प्रकार करना है- बबूल के पेड़ पर जो फली लगती है उसको तोड़कर लाएँ। उसको सुखाकर पाउडर बना लें और सुबह 1 चम्मच की मात्रा में गुनगुने पानी से खाने के बाद केवल 2-3 महीने सेवन करने से आपके घुटने का दर्द बिल्कुल ठीक हो जायेगा। आपको घुटने बदलने की जरुरत नहीं पड़ेगी।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 18

दशहरा से दीपावली के बीच गुर्जर समाज करेगा बड़ा आंदोलन

गुर्जर महासभा की प्रदेश स्तरीय बैठक सम्पन्न सरकार की वादाखिलाफी से नाराज समाज रोकेगी रेल

हरदा। लगातार म.प्र. की शिवराज सरकार की वादा खिलाफी से आहत गुर्जर समाज का सब्र का बांध अब टूट चुका है। दशहरा से दीपावली के बीच म.प्र. गुर्जर महासभा चरणवध बड़ा आंदोलन करेगी। इसका नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने करेंगे। प्रदेश भर के किसान व गुर्जर समाज इस दौरान रेल रोकेंगे एवं सड़क जाम करेंगे। इससे पहले दशहरा तक प्रदेश भर में गांव-गांव, घर-घर जाकर म.प्र. सरकार व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के झूठ और वादाखिलाफी से गुर्जर महासभा के पदाधिकारी लोगों को अवगत कराएंगे।

सेकंड स्टाफ स्थित गुर्जर भवन में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की प्रदेश स्तरीय बैठक के बाद सुंयक्त पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष एवं हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने संरक्षक सदस्य पूर्व विधायक रामवरण सिंह गुर्जर एवं प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता हाकम सिंह गुर्जर ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से महासभा का प्रतिनिधि मंडल कई बार मिल चुका है। लेकिन सरकार ने महासभा की सात सूत्रीय मांगों को लेकर सिर्फ झूठ बोला है। पिछले साल मुख्यमंत्री आवास में 28 जुलाई 2016 को रुस्तम सिंह को मंत्री बनाए जाने पर गुर्जर महासभा ने शिवराज सिंह चौहान का सम्मान किया था। तब मुख्यमंत्री ने मांगे पूरी करने का जिम्मा कैबिनेट मंत्री रूस्तम सिंह को सौंपा था। मांगे मनवाना तो दूर की बात है आज तक माननीय मंत्री जी ने समाज को मुख्यमंत्री से मिलवाया तक नहीं है। दोगने ने बताया कि गुर्जर महासभा पूरी तरह किसान आंदोलन का समर्थन करती है तथा मारे गए कृषकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। इस बीच महासभा का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं कैबिनेट मंत्री रूस्तम सिंह से मांगों के संबंध में मिलने का प्रयास करेगा। इस अवसर पर दोगने ने प्रदेश की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस हो।

दोगने ने बताया कि मंदसौर समेत पूरे प्रदेश में दर्ज मुकदमे वापस होना चाहिए। साथ ही किसानों की कर्जमाफी समेत सभी मांगों को तत्काल पूरी की जाए।

यह है गुर्जरों की मांगें

हिमाचल और जम्मू कश्मीर की तर्ज पर मप्र में भी गुर्जरों को एसटी का दर्जा दिया जाए। राजस्थान की तरह म.प्र. श्री भगवान देवनारायण बोर्ड का गठन हो जिसका अध्यक्ष भी गुर्जर समाज से हो। गुर्जर बाहुल्य जिलों में मंगल भवन एवं छात्रावास के लिए जमीन आवंटित की जाए। गुर्जर समाज के महापुरूष पन्नाधाय स्व. राजेश पायलट, पूर्व विधायक नन्हेलाल गुर्जर, शतायु सम्मान से सम्मानित दिव्य पुरूष 125 वर्षीय परसराम गुर्जर के नाम पर पार्कों एवं सड़कों का नामकरण किया जाए। भोपाल के गुर्जर भवन की लीज का नवीनीकरण किया जाए। ग्वालियर में आवंटित जमीन पर विद्युत मंडल का कार्यालय बन गया उसे वापस दिलाई जाए। श्री देवनारायण मंदिरों में लगी जमीनों से अतिक्रमण हटाया जाए।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 19

जय हो संत श्री श्री 1008 हरिगिरि जी महाराज

संस्मरण आये स्मरण 'शराब बंदी'

चम्बल का वो बीहड़ सूनसान बियाबान बीहड़ और उसी बीहड़ में चम्बल किनारे बड़े-बड़े मगर-मच्छों के बीच कुटिया बना कर रहने वाले वो साधारण से ऊंची कद काठी के ये संत शरीर पर बस एक भगवा कपड़े का टुकड़ा जिससे सर ढका हुआ। आज पूरे चम्बल संभाग में लोगों के दिलों में छाये हुए ये संत मुरैना-ग्वालियर चम्बल संभाग में जगह-जगह महापंचायत कर रहे है जोधा बाबा आश्रम, करह आश्रम, शीतला माता मंदिर पर हजारों लोगों के सामने आते है मंच से जनता को दंडवत करते हैं, और कहते हैं कि मुझे तुमसे ना धन चाहिए, ना वोट चाहिए बस एक बुराई है समाज की शराब वो मुझे दे दो सैकड़ों गांवों ने उनके कहने से शराब को त्याग दिया वरना संत को क्या पड़ी जो वो इस सामजिक बुराई के पीछे पड़ते और वाकई इसका असर सब तरफ दिख रहा है।

संत श्री श्री 1008 हरिगिरि जी महाराज की इस सराहनीय पहल से हजारों घर रोशन हो चले है। उन्होंने हमें आइना दिखा ही दिया और वाकई एक संत को प्रवचन सदवचन के साथ सामजिक बुराइयों को छोडने के लिए भी आह्वान करना चाहिए, क्योंकि धर्मप्रेमी लोग संतो की बात की अवमानना नहीं करते और कुछ लोगों को तो बस प्रेरित करना होता है तो ही वो इस बुराई को छोड़ देते है।

इसका सही उपाय यही है कि संत जन, नेता जन, समाजसेवी,और विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से समाज सेवा करने वाले लोग आम जनो में जा कर शराब से होने वाले घातक शारारिक हानि, सामाजिक हानि, आर्थिक हानि,और शराब के दूरगामी नुकसान, के विषय को जनता के बीच रखे और शराब ना पीने के लिए प्रेरित करे।

शराब छूट ही जायेगी तो कौन ठेके पर जाएगा और इतिहास गवाह है जब बाँस ही नहीं रहेगा तो कहाँ से बजेगी बाँसुरी जब पीने वाले ही शराब की दुकान पर नहीं जायेंगे तो अपने आप शराब कारोबारी अपना बोरिया बिस्तर बांध लेंगे जब एक संत चंबल किनारे से उठ कर समाज को इस बुराई से बचाने के लिए मैदान में कूद सकता है तो हम भी उनके पीछे-पीछे तो चल ही सकते है।

अरविन्द घुरैया
ग्राम चुरहेला जिला मुरैना
मोबा.9200888641

उन सभी गुर्जरों को हार्दिक बधाई जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर ली है। समाज की प्रतिभाओं को हार्दिक बधाई जिन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवाओं परीक्षा-2016 (IAS, IPS, IFS, IRS etc.) For 2017 batch.

1- जफर चौधरी, 39 rank
2- किरण भणाना-140 rank
3- आशीष पाटील-330 rank
जलगाँव महाराष्ट्र
4- रविन्द्र धायमा-520 rank
5- अनायेत चौधरी -808 rank
6- हरीश तंवर-939 rank
7- आमिर बशीर-1085 rank
8- बखतावर गुर्जर पुरकाजी उत्तराखंड
9- अनिल चौधरी- 301 Rank

आप सभी को गुर्जर परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

कराड़ा जी को भाजपा किसान मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई

ग्वालियर ग्रामीण से श्री वीरेन्द्र सिंह गुर्जर (पचौरा) जी एवं शाजापुर से श्री कृष्णकांत कराड़ा जी को भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर बहुत बहुत बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व का बहुत बहुत आभार।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 20

पुलिस का सकारात्मक चेहरा है एसीपी राजेश चेची, 1000 से अधिक का नशा छुड़वाया

फरीदाबाद। हरियाणा पुलिस में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के पद पर कार्यरत राजेश चेची पुलिस का ऐसा सकारात्मक चेहरा हैं जो सिर्फ आम लोगों को त्वरित न्याय दिलाता है बल्कि अपनी हीलिंग पॉवर से वे बीमारों का इलाज भी कर रहे हैं। उनके लगवाए नशा मुक्ति शिविरों में एक साल में 1000 से अधिक लोग नशा छोड़ चुके हैं। राजेश रोजाना 14 से 16 घंटे पुलिस ड्यूटी करते हैं। 4 घंटे साधना के लिए निकालते हैं। ड्यूटी के दौरान मरीज कहीं भी मिल जाए, उसका इलाज वहीं शुरू कर देते हैं। मूल रूप से रोहतक के चिचड़ी गांव निवासी राजेश चेची के पिता भी पुलिस में ही थे। उनकी पोस्टिंग नारनौल में थी। यह परिवार नारनौल में बस गया। नारनौल में रहते हुए राजेश चेची ने 1994 में एएसआई के पद पर पुलिस सेवा ज्वाइन की थी। वे एएसआई से सब इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर पदोन्नत होते हुए अब मौजूदा समय में हरियाणा के फरीदाबाद जिले में सहायक पुलिस आयुक्त, क्राइम के पद पर कार्यरत है। 1994 से अब तक की पुलिस सेवा में राजेश चेची ने यूनाइटेड नेशंस मिशन में 2002-2003 तक सेवा दी। खुफिया ब्यूरो के इमीग्रेशन विभाग में दो साल सेवारत रहे।

गुड़गांव में ली थी गुरु मां से दीक्षा

राजेश के मुताबिक उन्हें हीलिंग की दीक्षा देने वाली गुरु मां सुभावना गक्खड़ है। एसीपी राजेश वर्ष 2015 में गुड़गांव में तैनात थे। सांप की नंगली गांव में अपना साधना आश्रम चला रही मां गक्खड़ ने एक दिन फोन करके एसीपी राजेश को साधना केंद्र के आसपास पत्थर खनन की सूचना दी थी। तब फौरी कार्रवाई करते हुए अवैध पत्थर खनन रुकवाया गया था। जब राजेश साधना केंद्र पहुंचे तो उन्होंने भी हीलिंग थेरेपी सीखने की इच्छा जाहिर की। गुरु मां से दीक्षा लेने के बाद अब राजेश रोजाना 10-20 बीमार लोगों को पुरानी से पुरानी बीमारियों से मुक्ति दिला रहे हैं। इसके लिए राजेश रोजाना रात के वक्त 4 घंटे साधना करते हैं।

चुनावों में धमाकेदार जीत दर्ज करने वाले गुर्जर

1. आयानगर- वेदपाल लोहिया (Cong)
2. सरिता विहार- नीतू चौधरी (Cong)
3. ख्याला- प्रिया चंदीला (Cong)
4. छत्तरपुर- अनीता तंवर (BJP)
5. भाटी- महेश तंवर (BJP)
6. श्रीनिवासपूरी- राजपाल बैसोया (BJP)
7. चितरंजन पार्क- सुभाष भडाना (BJP)
8. सुमन बिधूड़ी (BJP)
9. तुगलकाबाद - पूनम भाटी (BJP)
10. मोड़लबंद- महेश लोहिया (BJP)
11. ओम विहार- बिजेन्द्रि अवाना (BJP)
12. मदनपुर खादर वेस्ट- कमलेश बिधूड़ी (BJP)
13. दल्लूपुरा- राजीव चौधरी (BJP)
14. रोहताश नगर- सुमन लता नागर (BJP)
15. सदर बाजार- जयप्रकाश छावडी (BJP)
16. महावीर एन्क्लेव- राजकुमार गुर्जर (BJP)
17. करावल नगर- सतपाल बैंसला (BJP)
18. मधु विहार- ममता धामा (BJP)
19. पीरागढ़ी- विनय रावत (BJP)
20. मंडावली- शशि चान्दना (BJP)
21. ब्रह्मपुरी- राजकुमार बल्लन (BJP)
22. घड़ोली- जुगनू संजय चौधरी (BSP)

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 21

आईएएस बनकर किरण भड़ाना ने बढ़ाया गुर्जर समाज का मान-सम्मान

पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना की बेटी है किरण

फरीदाबाद। पाली गांव में जन्मी किरण भड़ाना ने आईएएस की परीक्षा में देशभर में 140वां रैंक हासिल करके गुर्जर समाज का मान पूरे देशभर में बढ़ा दिया है। किरण भड़ाना को मिली इस बड़ी उपलब्धि पर न केवल गुर्जर समाज बल्कि पूरे फरीदाबाद जिले में हर्ष का माहौल है। इसी के चलते आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेसी विधायक एवं कद्दावर गुर्जर नेता ललित नागर ने नवचयनित आईएएस किरण भड़ाना के निवास पर जाकर उनकी इस उपलब्धि पर बुक्के देकर अपना आर्शीवाद दिया।

इस अवसर पर विधायक ललित नागर ने कहा कि किरण भड़ाना लड़कियों के लिए एक आदर्श बन गई है तथा किरण से प्रेरणा लेकर फरीदाबाद की अन्य बेटियों में भी शिक्षा की नई किरण उत्पन्न हो गई है। श्री नागर ने कहा कि गुर्जर समाज के लिए गर्व की बात यह है कि किरण भड़ाना फरीदाबाद की पहली बेटी होगी, जो आईएएस बनेंगी। उन्होंने कहा कि किरण की मेहनत और लग्न ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हो तो किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। आज फरीदाबाद ही नहीं बल्कि हरियाणा के गुर्जर समाज के लोग किरण की उपलब्धि पर गौरवान्वित हो रहे है। विधायक ललित नागर ने किरण भड़ाना को भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले समय में भी वह अपने जीवन में इसी प्रकार हर लक्ष्य को पूरा करते हुए निरंतर नई बुलंदियों को छूए और समाज का नाम ऊंचा करें। मालूम हो कि फरीदाबाद के पाली गांव निवासी पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना की पुत्री है। उनके परिवार का फरीदाबाद सहित राजस्थान के गुर्जर समाज में अहम स्थान है। वहीं आईएएस के लिए चयनित किरण भड़ाना ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय उनके द्वारा की गई कडी मेहनत व माता-पिता से मिले सहयोग को दिया है। उनका कहना है कि बचपन से ही उनका सपना आईएएस बनकर देश की सेवा करना था और उनका यह सपना आज पूरा हो गया है। उन्होंने देशभर की लड़कियों से आह्वान किया कि वह भी कड़ी मेहनत व संघर्ष के बल पर ऊंचा मुकाम हासिल करके अपना व अपने परिवार का सपना साकार करें।

अपनी मर्जी से मायके में रहने पर पत्नी को भरण-पोषण नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि अपनी मर्जी से पति का घर छोड़कर मायके में रहने वाली पत्नी भरण-पोषण राशि पाने की अधिकारी नहीं है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने महिला की दांडिक रिवीजन खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति सीवी सिरपुरकर की एकलपीठ में मामला सुनवाई के लिए लगा। इस दौरान पति की ओर से अधिवक्ता सुशील कुमार मिश्रा, आशीष कुमार तिवारी और अरविन्द सिंह चौहान ने दांडिक रिवीजन का विरोध किया उन्होंने दलील दी कि महिला अधीनस्थ अदालत के उचित फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट की शरण में आई है। लिहाजा, उसकी रिवीजन खारिज किए जाने योग्य हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि ऐसा कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जा सका है जिससे यह साबित हो कि यह अपनी ससुराल/पतिगृह में किसी तरह की प्रताड़ना, दुर्व्यवहार आदि के कारण मायके में रहने पर विवश हुई है।

मायके में मानसिक रोग का इलाज- बहस के दौरान महिला के वकील ने दलील दी कि मानसिक रोग का इलाज कराने के लिए मायके में रहना पड़ रहा है। यह इलाज विवाह के पूर्व से जारी है। इस तरह साफ है कि पति के साथ धोखा हुआ है। उसकी पत्नी होकर भी वह अधिक समय पतिगृह में रहने के बजाय मायके में रहती आई है।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 22

युवा गुर्जर प्रतिभाओं का सम्मान

कुरीतियां दूर करने को आगे आएं युवा, कैरियर के टिप्स दिए जाएंगे

मुजफ्फरनगर। गुर्जर सद्भावना सभा के बैनरतले गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह में युवा गुर्जर प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

रामपुर तिराहा स्थित गुर्जर होस्टल में आयोजित समारोह में युवा गुर्जर नेता अभिषेक चौधरी ने कहा कि भारत में इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए। इस तरह के आयोजनों से प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा कि समाज में विभिन्न प्रकार की कुरीतियां फैली हुई हैं, जिनका निराकरण होना आवश्यक है, उसके लिए समाज के युवाओं, प्रबुद्ध व्यक्तियों एवं जिम्मेदार लोगों को आगे आना होगा। पुष्पेंद्र कुमार ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप पढ़ाई के स्तर को सुधारें और समय सारणी बनाकर अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाएंगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी। ओपी चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को कैरियर कॉउंसलिंग के द्वारा कैरियर के टिप्स दिए जाएंगे। प्रोफेसर रामपाल सिंह ने कहा कि युवाओं को मेहनत करनी चाहिए और मेहनत कभी भी व्यर्थ नहीं जाती। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. बीपी सिंह ने भविष्य में इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम को सुरेशपाल, दौलत प्रधान, संदीप गुर्जर, विक्रम सिंह, ओम सिंह, मोतला, बालेंद्र, अनुज, सतीश भड़ाना आदि लोगों ने संबोधित किया। यशो गुर्जर, डॉक्टर सतीश, बालेंद्र, बालकराम, महाशय कलम सिंह, महाराज सिंह कसाना, सुंदर प्रधान, दौलत प्रदान, विनीत, बिट्टू, मिंटू, अमित, सतीश, बालेंद्र, हिमांशु अधिवक्ता, हिमांशु हथछोया, गुलाब सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे। संचालन संदीप गुर्जर ने किया।

एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा में मानसी अवाना ने मारी बाजी

नोएडा। एम्स एमबीबीएस इन्टरेंस टैस्ट में मानसी अवाना ने ओबीसी में 63वीं रैंक लाकर नोएडा का नाम रोशन किया है। जबकि जनरल में 383 वां स्थान है। इसके साथ ही 12वीं कक्षा में बायो के साथ 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। मानसी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां के साथ ही बुआ आईपीएस

पूजा अवाना को दिया है। एम्स में एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा में साढ़े सात लाख परीक्षार्थियों ने भाग लिया था। मानसी की कामयाबी पर परिवार के लोगों के साथ ही पूरे अट्टा गांव को गर्व है। मानसी का कहना है कि जो संस्कार परिवार से मिले हैं वह सदैव परिवार का एवं समाज का नाम रोशन करेंगी।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 23

दिल्ली में गुर्जर अधिवक्ताओं की जीत

12 मई 2017 को सम्पन्न कडकडडूमा कोर्ट के बार चुनावों में अपनी मेहनत, लगन, कुशल व्यवहार व आपसी समझ से श्री प्रमोद नागर (अध्यक्ष), श्री घनश्याम नागर (उपाध्यक्ष), व श्री अमित तंवर (पुस्तकालय अध्यक्ष) चुने गए।

कडकडडूमा कोर्ट में उत्तर पूर्वी व शहादरा जिला की कोर्ट्स हैं व दिल्ली की बड़ी अदालत है। श्री प्रमोद नागर पूर्व में भी वार के अध्यक्ष रह चुके हैं। 26 मई 2017 को तीस हजारी कोर्ट्स में दिल्ली के गुर्जर अधिवक्ताओं का समागम हुआ जिसमें श्री विजय चौधरी अध्यक्ष (ऋण वसूली अपीलीय प्राधिकरण) डी.आर.ए.टी., श्री प्रमोद नागर, घनश्याम नागर व अमित तंवर का सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री सूरत सिंह व श्री सोमदत्त शर्मा ने भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता पर अपने विचार रखे तथा आज के समय में आपसी भाईचारे की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर श्री राजपाल कसाना (अध्यक्ष साकेत बार), श्री जतन सिंह (पूर्व उपाध्यक्ष उच्च न्यायालय), मुकेश बंसल (पूर्व अध्यक्ष-शहादरा), श्री धीर सिंह कंसाना (पूर्व पार्षद व पूर्व सचिव साकेत बार) श्री जगत नागर, श्री ठाकुर प्रकाश नागर, सर्वोच्च न्यायालय, श्री सुनील बंसल, जगत सिंह नागर, चरण सिंह वर्मा, अनिल वसोया (सहसचिव साकेत वार), प्रियंका कंसाना (पूर्व सदस्य दिल्ली वार एसो.), विनोद कुमार विधुड़ी, करनैल सिंह (पूर्व सचिव साकेत वार) श्री जगवीर भडाना ने अपने विचार रखे व शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को श्री इन्द्र सिंह, हिमांशु खाती, श्री अनिल चौहान ने आयोजित किया। संचालन श्री राजवीर बंसल अधिवक्ता ने किया। इस अवसर पर दूसरे संगठनों में भी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी का आह्वान किया गया। सभी को धन्यवाद व जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। सभी ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की व हौसला बढ़ाया।

अनिल कुमार चौहान
अधिवक्ता
मोबा. 9868206487, 8178241673

सीबीएसई 12वीं परीक्षा में रामराज ने पाया प्रथम स्थान

मुरैना। शहर के नील वर्ल्ड विद्यालय में पढ़ने वाले रामराज सिंह कंषाना ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में मुरैना जिले की सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि छात्र कंषाना ने पूर्व में एनटीएसई किशोर वैज्ञानिक परीक्षा राष्ट्रीय स्तर पास की है। साथ ही छात्र कंषाना ने इससे पूर्व मुरैना टेलेंट परीक्षा में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है, इसके अलावा उनका राष्ट्रीय विज्ञान अनुसंधान शाला में भी चयन हुआ है, जो कि मिसाइल तोपों का निर्माण एवं अंतरिक्ष अनुसंधान में कार्य करती है। श्री कंषाना म.प्र. शासन के पूर्व मंत्री कीर्तिराम सिंह कंषाना के नाती व वरिष्ठ कांग्रेस नेता बच्चू सिंह कंषाना के सुपुत्र हैं। रामराज कंषाना की सफलता पर उनके परिवारीजन व ईष्ट मित्र राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व विद्यालय परिवार ने उन्हें ढेरों बधाईयां दी हैं।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 24

सामाजिक ढांचा

गुज्जर सरल, भोले-भाले और ईमानदार लोग है। शरीर से हट्टे-कट्टे, कठिन जीवन के आदि और बहादुर हैं। ये शान्ति-प्रेमी, शिष्ट तथा विनम्र होते है। आतिथ्य-सत्कार में इनका कभी कोई सानी नहीं रहा। ये अब भी अभ्यागतों का बड़ा आदर करते हैं।

गुज्जर परिवार पितृ-सतात्मक तथा एक विवाही है। गुज्जर पूर्णत: यायावर (घूमन्तु) जाति हैं। गुज्जर समाज कश्मीर, हिमाचल प्रदेश ओर उतर प्रदेश मे फेला है। गुज्जरों का कांरवा जब कूच करता है तो अस्थायी रूप से तैयार की गई झोपड़ीयां नष्ट कर दी जाती है ओर अगले साल तक वहां कोई पेड़ जन्म ले लेता हैं। घूमन्तु गुज्जरों का कोई घर नहीं, दर नहीं ओर उसे भी शायद किसी घर की फिकर नहीं। इतिहास के पृष्ठ उघाड़ते है तो एक गौरवपूर्ण युग दिखाई पड़ने लगता है। ये खानाबदोश भी कभी शासक थे। छोटे-मोटे नही बड़ी-बड़ी रियासतों के मालिक। प्राचीन काल मे इन्ही गुज्जर शासकों ने गुजरात की नीव डाली थी कहते है यह गुजरात सहारनपुर तक फैला हुआ था । तभी इस पूरे क्षेत्र को गुज्जरगृह अथवा गुज्जरो का आवास कहा जाता था। इनके कुछ गोत्रों की ओर ध्यान दें तो प्राय: सभी गुर्जर क्षत्रिय वंशज के प्रसिद्ध गोत्रों से मिलते है, जिन्हे ये लोग बड़े गर्व के साथ बतलाते है। कुछ गोत्र है चन्देल, कसाना, खटाना, चौहान, चेंची, बैसला, भाटी, चोपड़ा, खरणा, लोछे , पवांर आदि।

कंनिघम ने लिखा है कि गुज्जर ईसा मसीह के जन्म से पूर्व भी थे ओर उनका निवास गुजरात में था। गुर्जरों का प्रदेश होने के कारण ही यह प्रदेश गुजरात कहलाया ।

भाषा - वैज्ञानिकों तथा इतिहासकारों का मत है कि गुज्जर शब्द 'गुर्जर' का ही अपभ्रंश है और गुर्जर शब्द का अर्थ 'योद्धा जाति' होता है । गुज्जर गुजरात- काठियावाड़ , जम्मू तथा कश्मीर और हिमालय तथा उतर प्रदेश कुछ यमुना और गंगा के किनारे स्थायी रूप से बस गये। उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा दिल्ली के सभी गुर्जरों के गोत्र पुराने क्षत्रिय वंशजों के सूचक हैं।

इतिहास गवाह है, मुगल काल में अकबर, जहांगीर, औरंगजेब को गुज्जरों ने नाकों चने चबवाऐ थे जिसके फलस्वरूप गुज्जरों को मुगलकाल में अत्याचार का शिकार होना पड़ा ओर जबरदस्ती धर्म - परिवर्तन के दौर से भी गुजरना पड़ा जिसकी वजह से गुज्जरों में इस्लाम का प्रवेश हुआ लेकिन गुज्जरों ने अपनी खुद्दारी नहीं छोड़ी ओर जंगलों की राह पकड़ ली जो अपने आत्म सम्मान की जीती जागती मिसाल है आज तक इधर से उधर भटकना मंजूर पर अपना आत्मसम्मान और खुद्दारी के साथ समझौता मंजूर नहीं। यह देखकर आश्चर्य होता है कि गुज्जर अधिकतर निरामिष भोजी है ये दूध के बने हुये पदार्थ तथा रोटी ओर चावल खाते हैं । वास्तव में इनके अच्छे स्वास्थ्य का एक राज यह भी है कि ये मांस-मदिरा दोनों से ही दूर रहते है। मैंने सौ साल से ऊपर के बीसीयों वृद्ध गुज्जरों से इस बारे में बात की तो पता चला कि उन्हें पहाड़ की कड़ी सर्दी में भी शराब पीने की कतई जरूरत नहीं पड़ती । एक वृद्ध बोला, 'बाबू शराब भी कोई पीने की चीज है? अगर पीना ही है तो दूध पियो। घी खाओ। देखते नहीं, इसी दूध-घी की वजह से में इतना हट्टा-कट्टा दिखता हूं और नवजात कटडे (भैस का बच्चा) को अपने कन्धों पर उठाकर पहाड़ की खड़ी चढ़ाई चढ़ सकता हूं। इसलिए हमारे बाप-दादा किसी ने अपनी जिंदगी में शराब नही पी और हमारे बच्चे भी कभी नही पियेंगे।

मैं सोचने लगा, हिमालय का यह कैसा खानाबदोश गुज्जर समाज है धर्म से मुसलमान ओर कर्म से ब्राह्मण। अब तो ब्राह्मण भी मांस मदिरा डट कर खाते पीते है लेकिन इस पिछड़े और घुमन्तू कहे जाने वाले समाज की संस्कृति कितनी विशेषताओं को संजोए है। संस्कृतिकरण के सिद्धांतवादी इधर दृष्टिपात क्यों नहीं करते ? घुमन्तु गुज्जरों का आधुनिकीकरण कैसे हो?

समाज - वैज्ञानिकों के लिये यह बहुत बड़ा सवाल है जो इन घाटियों में विचरण किए बिना हल नहीं हो सकता। जो लोग कहते है कि बर्फीली पहाड़ियों पर शराब के बिना जीवन दूभर है, या जो यह मानते है कि पहाड़ में मांस के बिना काम नहीं चल सकता , उन्हें चाहिये कि वे कुछ दिन हिमालय केस इन खानाबदोश घुमन्त गुज्जरों के साथ भ्रमण करे जो अपने आप मे एक बहुत ही उन्नत संस्कृति अपनाये हुऐ हैं ।

सन्दर्भ-

हिमालय के यायावर

डॉ. श्याम सिहं शशि

पृष्ठ - 34-37 ,

संस्करण - 1986

(प्रकाशन विभाग-सूचना ओर प्रसारण मंन्त्रालय, भारत सरकार)

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 25

जल और कुल नहीं बंट सकते

हमारी अपनी पहचान अपने कुल से होती है। साथ-साथ रहते-रहते मनोमालिन्य, मतभेद अथवा मनभेद संभव है परंतु रक्त संबंध इतने गहरे होते हैं कि ये सारे विभेद पानी पर आये बुलबुले की नाँई मिटते रहते हैं और साझे रक्त को और हावी और प्रभावी बन जाता है। इसी सत्य को राजस्थान में कुछ यूँ कहा जाता है।

''गोती सो भाई, बाकी सब अशनाई।''

गोत अथवा गोत्र का संबंध रक्त वंश से ही तो है। तभी तो रक्तवंश या गोत्र में विवाह संबंधों का निषेध कहा या माना गया है। कुछ लोग आधुनिकता के फेर में इस श्रेष्ठ परम्परा की अवहेलना अथवा अनदेखी करने लगे हैं जो विदा गलत है। पश्चिम के विद्वानों ने भारत की इस गोत्र परम्परा को निरा वैज्ञानिक और तर्क संगत माना है। वैज्ञानिक खोज एवं शोध इस परम्परा को स्वस्थ व श्रेष्ठ मानते हैं। एक कुल गोत्र के दो अंजाम भी मिलने पर पारस्परिक खिंचाव का अहसास करते हैं। तभी तो यह परम्परा बरसों-बरस से निर्बाध रूप से चल रही है। मैं जब भी इतिहास काल के सवाईभोज, हमारे ईष्ट देवनारायण, पन्ना धाय पुत्र चन्दन चौहान, गोगा-पीर व सम्राट पृथ्वीराज चौहान का नाम सुनता हूँ तो मन में गर्व का अनुभव करता हूँ। वर्तमान काल के समाज सुधारक स्व. प्रधान महाराज सिंह मुडलाया व उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री रहे स्व. नारायण सिंह जी भी इसी श्रेणी में आते हैं।

पानी से पानी मिले, कुल से मिले जो कुल।
हिल मिल कर एक हों, जाते ये मिल घुल।।

तभी तो कहा गया है कि पानी में मानो घुल मिलकर क्षणों में एकाकार हो आता है। कुल का स्वभाव भी इसी भाँति पानी की तरह है, इन्हें मिलने, एकाकार होने में कतई भी देर नहीं लगती।

मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। मैं अलवर राजस्थान में पदस्थ था। इस जनपद की रामगढ़ तहसील में एक कस्बा नौगांवा है जहाँ रह रहे गुर्जर चौहान गोत्रीय हैं। जानने और परिचित हो जाने के उपरान्त वर्ष 1983 से लगातार आज तक उन्होंने मुझे निरा आत्मीय सम्मान और उज्ज्वल भाव का प्रदर्शन किया है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे व ख्यातनाम खोजी इतिहासकार स्व. श्री उदयलाल धाभाई उदयपुर व उनके परिवार से भी मुझे न ही आत्मीय अपनत्व मिला। ज्ञातव्य रहे कि स्व. उदय लाल धाभाई कृत 'बलिदानी कर्त्तव्य परम्परा पन्ना धाय और चन्दन चौहान' महंत मशहूर रही है। मेरे भरतपुर प्रवास में सर्वश्री डा. वीर सेन, विधायक रहे कुंवर कर्ण सिंह, श्याम सिंह चौहान व भगवान सिंह चौहान से आत्मीय लगाव प्राप्त हुआ कोटा प्रवास में श्री ओमप्रकाश चौहान ने परिवार वाला लगाव प्रदर्शन निरन्तर किया सहारनपुर उ.प्र. में मुझे आदर योग्य पूर्व प्राचार्य संग्राम सिंह चौहान व मेरे पूर्व सहपाठी श्री जगपाल सिंह सेवा निवृत्त कोषाधिकारी का आत्मीय साहचर्य मिलता रहता है।

सीकर राजस्थान के समाज सेवी श्री शैतान सिंह गुर्जर हों या समाज के हीरे व अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. यशवीर सिंह, या सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायाधिपति डा. बलवीर सिंह, या पूर्व मंत्री उत्तरप्रदेश व वर्तमान सांसद कैराना बाबू हुकुम सिंह ये सब के सब मेरे कुल के रत्न हैं और गर्मोक्ति के कारण हैं। उनका ही नहीं पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी रहे कैप्टेन रामशरण सिंह का नाम होंठो पर आते ही मन मयूर मुदित हो उठता है। मुझे गर्व है कि मैं भी इन्हीं के कुल में न जन्मा, पला बढ़ा हूं।

आज दिनांक 27 मई 2017 के दिन प्रात: आठ, सवा आठ बजे मैं तब सिहर उठा जब श्री केदार सिंह पंवार नैनखेड़ा ने स्वीकार की थी कि गुर्जर बिरादरी का सर्वाधिक ख्याल डा. यशवीर सिंह ने खादी ग्रामोद्योग व चेयरमैन रहते हुए किया। समाज उनकी सेवाओं को विस्तृत नहीं कर सकता।

यह सब लिखते-सोचते में सिहर उठा क्योंकि मैंने अपने उसी गुर्जर चौहान कुल का इतिहास 'चौहान गुर्जर इतिहास के झरोखे से' आज से पंद्रह वर्ष पूर्व लिखकर प्रकाशित कराया था जिसे पूरा करने में मेरी सहायता सर्वश्री डा. वीर सैन चौहान, ग्राम बलवा सूखरान, श्याम सिंह

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 26

चौहान, भरतपुर, गोविंद सिंह चौहान, नौगांवा, पहल सिंह चौहान, तीतरवाड़ा, प्रेम सिंह चौहान साढ़ौली दापा, ने भरपूर की।

पूर्व में इस कुल के चौ. सुल्तान सिंह कैराना, चौ. अजब सिंह जसाना, चौ. देशबाज बलवा गुजरान, बाबू जवान सिंह, दारोगा रणजीत सिंह बीनड़ा, बाबू तिलकराय वर्मा बीनड़ा भी ख्याति लब्ध व्यक्ति रहे हैं। जहाँ तक इस कुल के मुस्लिम धर्मावलम्बियों की बात है चौ. शफाकत चौहान, अख्तर हसन चौहान, मुनव्वर हसन चौहान व बेगम तबस्सुम मुनव्वर संसद की शोभा रह चुके। गर्व की बात है कि स्व. मुनव्वर हसन देश के चारों सदनों के सदस्य रह चुके हैं और इसी आधार पर वे 'गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में नाम दर्ज करा चुके हैं। वहीं इसी परिवार के ग्राम मल्होपुर खेड़ा से पाकिस्तान गये स्व. राणा अली हसन चौहान के इतिहास शोध प्रबंध 'तारीख-ए-गुजरां' की जितनी तारीफ की जाये, वह थोड़ी है। इसी क्रम में लगभग नौ बार विधायक व मंत्री उत्तरप्रदेश रहे व वर्तमान में सदस्य विधान परिषद श्री वीरेन्द्र सिंह आते हैं।

क्षमा प्रार्थी हूँ यदि कोई नामचीन गुर्जर व्यक्ति मेरी चर्चा में जानकारी के अभाव में आने से रह गया हो। मेरा दर्द यह है कि हम अपने पूर्वजों राव कनासा राज, राव दीप राज व राव देवराज की आध्य कद प्रतिभाएं अपने अपने क्षेत्र में अभी तक स्थापित नहीं करा सके। यदि ऐसा कर सकें तो वह अपने महान पुरखों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इसम सिंह चौहान
अधिवक्ता अलवर

मराठा सेनापति प्रताप राव गुर्जर के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा (ए.बी.वी.जी.एम) के द्वारा 24 फरवरी 2017 को गाँव अनखीर में मराठा सेनापति प्रताप राव गुर्जर के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । सर्व प्रथम सेनापति प्रताप राव गुर्जर के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किये गये । श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग गुर्जर ने बताया कि शिवाजी महाराज की मराठा सेना में थल सेना के सेनापति प्रताप राव गुर्जर और नौसेना के सेनापति सिद्धो जी गुर्जर थे । सेनापति प्रताप राव गुर्जर का वास्तविक नाम कडतोजी गुर्जर था और प्रताप राव की उपाधि से शिवाजी ने उन्हें विभूषित किया था। प्रतापराव गुर्जर के सेनापतित्व में अनेक लड़ाई लड़ी गई और विजय ने सदैव ही उनका स्वागत किया । प्रतापराव गुर्जर का दुखद अन्त 24 फरवरी 1674 को बीजापुर की सेना से लड़ते हुए नेसरी के युद्ध में हुआ। प्रताप राव गुर्जर अपने साथ छह सैनिकों के साथ ही बहलोल खान की 15000 सैनिकों की विशाल सेना से मुकाबला करते हुए वीर गति को प्राप्त हो गये। प्रताप राव गुर्जर और उनके छह साथियों के बलिदान की यह घटना मराठा इतिहास की सबसे वीरतापूर्ण घटना है। प्रतापराव और उनके साथियों के बलिदान पर प्रसिद्ध कवि कुसुमाग्रज ने 'वेडात मराठे वीर दौडले सात' नामक कविता लिखी है जिसे प्रसिद्ध गायिका लता मंगेश्वर ने गाया है। प्रताप राव गुर्जर के बलिदान स्थल नेसरी, कोल्हापुर, महाराष्ट्र में उनकी याद में एक स्मारक भी बना हुआ है। श्रद्धांजलि सभा में हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष अनिल तंवर ने कहा के आज लोगो ने प्रताप राव गुर्जर जैसे अमर बलिदानियो को भूला दिया है जिन्होंने देश की रक्षा के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। देश के नौजवानों को इनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए । इस अवसर पर बाबा घनश्याम, बाबू राम, चरण सिंह , सत्पाल,कृष्ण पाल, सहा मल, देवेन्द्र गुर्जर, महेश फागना, गौरव तंवर कारना, सूबेदार गुर्जर आदि मुख्य रुप से उपस्थित थे ।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 27

रूड़की में सुनहरा गांव का बरगद शहीद स्मारक

यह सैकड़ों साल पुराना बरगद अंग्रेजो के जुल्म का खामोश गवाह है जहाँ अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर के विद्रोह 1824 में करीब डेढ़ सौ लोगों को पकड़कर इस बरगद पर फांसी पर लटकाया था जिनमें कुंजा व रामपुर आदि गांव के लोग थे।

यहां से शुरू हुई थी आजादी की पहली क्रांति, वटवृक्ष पर क्रांतिकारियों को जिंदा लटकाया था।

बहुत कम लोगों को ये ज्ञान होगा कि देश की आजादी का सबसे पहला बिगुल रुड़की के एक गांव से बजा था। इस गांव का नाम है सुनहरा गांव। इसी गांव के वटवृक्ष पर 10 मई, 1857 को आजादी की पहली क्रांति का शुभारम्भ किया गया था। इस वटवृक्ष पर अंग्रेजों ने 150 से भी अधिक क्रांतिकारियों को जिंदा लटका दिया था तभी से इस स्थान को शहीद स्मारक नाम दिया गया।

10 मई, 1857 को आजादी की पहली क्रांति का हुआ था शुभारम्भ। तब भी यहाँ बहुत से क्रान्तिकारीयों को फांसी दी गयी।

क्रांतिकारियों को दी जाती है श्रद्धांजली

इसलिए आज के दिन (10 मई क्रान्ति दिवस) हर वर्ष यहां सभी क्रांतिकारियों को श्रद्धांजली देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

अक्टूबर 1824 को हुआ था पहला युद्ध

10 मई, 1857 की क्रांति से कई वर्ष पहले 1824 को ही रुड़की में आजादी की क्रांति ज्वाला भड़क उठी थी। अक्टूबर 1824 को कुंजा ताल्लुका के राजा विजय सिंह गुर्जर व सेनापति कल्याण सिहँ के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ पहला युद्ध हुआ था। इसमें बड़ी संख्या में लोग शहीद हुए, कुछ पकड़े गए। इन लोगों को सुनहरा स्थित इस एतिहासिक वट वृक्ष पर फांसी दे दी गई थी। 3 अक्टूबर को हर साल राजा विजय सिहँ कुंजा शहीद दिवस मनाया जाता है।

सैकड़ों ग्रामीणों को सरेआम दे दी गई थी फांसी

1857 की क्रांति के समय सहारनपुर से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सर राबर्टसन ने रामपुर, कुंजा आदि गांवों के लोगों को सरेआम इस पेड़ पर फांसी दे दी। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया कि लोग भयभीत हो जाए और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज न उठा सके।

देश आजाद होने तक पेड़ पर लटकी थीं जंजीरें

साल 1910 में शहर के एक लाला ललिता प्रसाद ने इस भूमि को खरीदा। ये गांव बाद में सुनहरा के नाम से जाना गया। साल 1947 में जब देश आजाद होने पर भी इस पेड़ पर लोहे की जंजीरें लटकी हुई थीं जो बाद में निकाली गईं। आजाद देश में पहली बार साल 1957 में इस पेड़ के नीचे तत्कालीन ज्वाइंट मजिस्ट्रेट बीएस जमेल की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

इतिहास में दर्ज नहीं है उन क्रांतिकारियों का नाम

सुनहरा गांव में वट वृक्ष पर लटकाए गए उन 150 से अधिक क्रांतिकारियों और ग्रामीणों का न तो कोई पता है न ही इतिहास में इन लोगों का कोई नाम दर्ज है। इसे कुंजा की क्रान्ति भी कहा जाता है।

रूड़की के लोगों खासकर गुर्जर समाज वालों को रूडकी में हाइवे पर शहीद राजा विजय सिंह गुर्जर चौक की स्थापना करवानी चाहिये व एक भव्य मूर्ति लगवानी चाहिये, यह मामला हमारे बलिदान व बहादुरी से जुड़ा है।

रूड़की में शहीद चन्द्रशेखर चौक,डॉ अंबेडकर चौक, मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप चौक, महर्षि वाल्मिकी चौक, मालवीय चौक सब है, पर नहीं है तो उस वीर अमर शहीद राजा विजय सिंह कुंजा का चौक जिनके कारण रूड़की को बड़ी पहचान मिली व जो उत्तराखंड की शान हैं व रूड़की के पराकी पराकाष्ठा।

अब वक्त आ गया है कि आगे आकर रूडकी में राजा विजय सिंह गुर्जर के प्रवेशद्वार का निर्माण हो व एक चौक का नामकरण हो।

राजीव 'नबल' मेरठ

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 28

गुर्जर समाज शिक्षा व एकजुटता पर ध्यान दे

गुर्जर महासभा के पदाधिकारियों का स्वागत

महवा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के महवा आगमन पर गुर्जर मौहल्ला में युवा गुर्जर महासभा के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महासभा के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक कसाना, युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी मनोज गुर्जर, मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना, दिल्ली यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अमित तंवर आदि पदाधिकारियों के महवा आगमन पर योगेश कसाना, जसवंत गुर्जर व रामराज गुर्जर के नेतृत्व में माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी नांदना में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इससे पूर्व हिण्डौन रोड पर कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका स्वागत किया गया। महासभा के पदाधिकारियों ने युवाओं से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की। इस दौरान संगठन मंत्री विनोद नागर ने कहा कि युवाओं को फालतू की फैशनबाजी पर कम ध्यान देना होगा और शिक्षा पर अधिक ध्यान देना होगा तभी हमारा गुर्जर समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने युवाओं से गांव व ढाणियों में शिक्षा के प्रति लोगों को जाग्रत करने की बात कही। गुर्जर महासभा उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष अशोक कसाना ने कहा कि समाज के युवाओं को उनकी मूल संस्कृति को पहचानकर एक अच्छे तरीके से समाज के लिए कार्य करना होगा। समाज के युवा समाज में व्याप्त दहेज प्रथा व बाल विवाह जैसी कुरीतियों को मिटाने का कार्य करें। युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक सुरेन्द्र नागर ने कहा कि समाज को जरूरत है कि बालिका शिक्षा को समाज बढ़ावा दे जिससे समाज विकास को गति मिल सकें। महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चौधरी मनोज गुर्जर ने कहा कि गुर्जर समाज में जोश, जूनून और साहस की कोई कमी नही है कमी है तो शिक्षा और एकजुटता की इसलिए समाज को जरूरत है कि समाज शिक्षा पर ध्यान दें और एकजुट होकर आगे बढ़ें। उन्होंने महासभा के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी। इस दौरान बनेसिंह गुर्जर, भूरसिंह पटेल, निर्भयसिंह, मनोज गुर्जर, राजेन्द्र पहलवान, सियाराम गुर्जर, मुकेश गुर्जर, योगेश कसाना, जसवंत गुर्जर, कुलदीप गुर्जर, सुरेन्द्र गहनोली, भूपेन्द्र दायमा, रामराज गुर्जर, बचन सिंह, रामेन्द्र गुर्जर, परीक्षित गुर्जर सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद थे।

इससे पूर्व महासभा के पदाधिकारियों का रसीदपुर मोड़ पर युवा गुर्जर महासभा के तहसील अध्यक्ष हरकेश गुर्जर के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इसके बाद महासभा के पदाधिकारियों ने नांदना गांव में भागवत कथा के समापन पर आयोजित भंडारे में पहुँचकर प्रसादी ग्रहण की। यहां दौसा के पूर्व जिला प्रमुख अजीतसिंह महुवा, कार्यक्रम आयोजक राजेन्द्र गुर्जर, दर्शनसिंह फागना, विकास गुर्जर, घनश्याम गुर्जर आदि ने साफा, माला व स्मृति चिन्ह से स्वागत किया। भोपूर में भूपेन्द्र दायमा के निवास पर, गहनोली में मुकेश खटाना व शेरू खटाना के निवास पर गुर्जर महासभा के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

खेड़ला। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 29

पदाधिकारियों के खेड़ला आगमन पर डॉ. दिनेश बैंसला के निवास पर स्वागत किया गया। गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महासभा के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक कसाना, युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी मनोज गुर्जर, मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना कैमरी, दिल्ली यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अमित तंवर आदि पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज को शिक्षा व एकजुटता पर ध्यान देना चाहिए। समाज को समाज में व्याप्त बाल विवाह, दहेज प्रथा, मृत्यु भोज जैसी कई बड़ी कुरीतियों को जड़मूल से समाप्त करना होगा तभी समाज का विकास संभव है। इस दौरान डॉ. दिनेश बैंसला, संजय सिंह गुर्जर, रोहित सिंह, योगेश कसाना आदि ने महासभा के पदाधिकारियों का स्वागत किया।

मेहंदीपुर बालाजी। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के बालाजी आगमन पर गुर्जर सीमला में युवा गुर्जर महासभा के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महासभा के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक कसाना, युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी मनोज गुर्जर, मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना कैमरी, दिल्ली यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अमित तंवर आदि पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान युवा गुर्जर महासभा के पूर्व जिला अध्यक्ष विक्रम मंडावर, राघवेन्द्र सिंह पांचोली, युवा गुर्जर महासभा के तहसील अध्यक्ष विजय खटाना, छगन गुर्जर, रणवीर पांचोली आदि ने महासभा के पदाधिकारियों का स्वागत किया।

पीपलखेड़ा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने गुर्जर शहीद स्थल पीपलखेड़ा पहुँचकर गुर्जर आरक्षण आंदोलन के शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रदांजलि दी। इस दौरान महासभा के पदाधिकारीयों ने युवाओं से विचार विमर्श किये। इससे पूर्व छात्रनेता लोकेश गुर्जर व अमर पोसवाल के नेतृत्व में गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महासभा के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक कसाना, युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी मनोज गुर्जर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मनीष डेड़ा, दिल्ली यूनिवर्सिटी अध्यक्ष अमित तंवर, सुरेन्द्र खटाना कैमरी आदि पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान पूरनसिंह सरपंच, ज्ञानसिंह पोसवाल, बनबारी ठेकेदार, जीतू गुर्जर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। महासभा के पदाधिकारियों ने गुर्जर आरक्षण आंदोलन में शहीद हुए रामवीर सिंह गुर्जर के पिता शिब्बू गुर्जर व शहीद रामनिवास के बेटे रमेश पोसवाल का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

सिकन्दरा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के मरियाड़ा गांव में बलराम गुर्जर के निवास पर स्वागत किया गया। गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महासभा के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक कसाना, युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी मनोज गुर्जर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मनीष डेड़ा, सुरेन्द्र खटाना कैमरी, दिल्ली यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अमित तंवर आदि पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व सरपंच पृथ्वीराज गुर्जर, जगदीश पोसवाल, रमेश गुर्जर, ज्ञानसिंह गुरूजी, फतेहसिंह गुर्जर, हरज्ञान मरियाडा, महावीर चेची, अशोक चेची, महेंद्र पोसवाल सहित बड़ी संख्या में गांव के लोग मौजूद रहे।

बांदीकुई। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का मुकरपुरा चौराहा बाईपास स्थित संगम होटल पर हीरालाल चौधरी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चौधरी विनोद नागर, महासभा के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक कसाना, युवा गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी सुरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी मनोज गुर्जर, मिडिया प्रभारी सुरेन्द्र खटाना कैमरी, दिल्ली यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अमित तंवर आदि का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान राजाराम गुर्जर, पूरणसिंह माल, राजस्थान युवा गुर्जर महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश डोई, मानसिंह गांगुली, राघवेन्द्र सिंह पंवार, अशोकसिंह, अनिल छावड़ी, बलवीरसिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। संचालन रतन गांगुली के द्वारा किया गया।

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 30

श्री रेवा गुर्जर समाज महासभा क्षेत्र, सनावद

श्री रेवा गुर्जर समाज की महासभा एवं सकल पंच महिला/पुरुष सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 120 गाँव के चयनित महासभा सदस्यों एवं सकल पंच की उपस्थिति में निम्न प्रस्ताव पारित किए गए।

प्रस्ताव- श्री रेवा गुर्जर समाज में अधिक खर्चीले-रीति रिवाजों पर विचार।

ठहराव- उपस्थिति सभी सकल पंच एवं महासभा के सदस्यों की उपस्थिति में स्वीकृति अनुसार निर्णय लिया गया।

जलवाय- जलवाय प्रथा बंद की जाएं एवं बच्चा एवं बच्चियों को देखने जाने में 25-30 महिलाएं ही जाए बच्चे-बच्चियों के लिए कपड़े एवं रकम केवल वर पक्ष से ही दी जाएं अन्य महिलाएं किसी भी प्रकार का उपहार एवं कपड़े नहीं ले जाएं एवं वर पक्ष की तरफ से किसी भी प्रकार के साड़ी-बर्तन नहीं बटे जाए।

हलछट- लड़कों की हलछट में गवर्नियों को भोजन करवाया जाए गवर्नियाँ परिवार वालों में से ही जैसे:- काकी, मामी, बहन, भतीजी, भांजी, इन्हीं को ही गवर्नियाँ कहे। कपड़े केवल मामा पक्ष की ओर से स्वीकार किए जाए अन्य किसी के द्वारा पेरावणी वगैरा, किसी भी प्रकार का उपहार न स्वीकार करें न देवें।

सगाई - सगाई में जाने वालों की अधिक संख्या 15 रहेगी।

- जिनके यहाँ सगाई करने जा रहे हैं उस पक्ष द्वारा भी सगाई कार्यक्रम में 50 से 100 व्यक्ति आमंत्रित करना एवं दोनों पक्ष मिलकर एक ही जगह सगाई रस्म कार्यक्रम कर सकते हैं।

- सगाई रस्म में घर पक्ष एवं मामाजी पक्ष द्वारा ही कपड़े लेना एवं अन्य द्वारा स्वेच्छा अनुसार लिफाफा राशि का ही उपयोग करना।

शादी (सामुदायिक विवाह)

1. लड़के लड़कियों का सामूहिक विवाह समितियों के माध्यम से किया जावें।

- सामूहिक विवाह आयोजन के पूर्व होने वाले हल्दी कार्यक्रम में एक पक्ष से अधिकतम 500 व्यक्तियों का आमंत्रित करना।

- सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले वर-वधु पक्षों द्वारा आमंत्रण पत्रिका में लेना-देना बंद रहेगा इसका उल्लेख करना। एवं उसका पूर्णत: पालन करना।

- सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले पक्षों द्वारा आशीर्वाद समारोह नहीं करना।

- सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले वर-वधु के पक्षों द्वारा बहन, जीजी, भांजी, बेटी, पैरावणी करना अन्य महिलाओं को साड़िया या अन्य कोई उपहार नहीं देना।

- सामूहिक विवाह में बाना लिफाफे में रु. 10-50 तक दूल्हे-दुल्हन को ही देना। उनके माता-पिता को नहीं देना।

- हल्दीया में जाने वालों की संख्या 10-15 ही जावे।

- बवड़े में जाने वालों की संख्या 10-15 ही जावे।

घर से विवाह आयोजन

- डी.जे. एवं फटाके बंद करना, बारात में नाचने के बजाय घर पर ही महिला संगीत नाचना, गाना आयोजित करना।

- सादगी पूर्ण विवाह करने का प्रयास किया जावे।

- बाना कम से कम लिफाफे द्वारा रखना।

पगड़ी रस्म आयोजन

- तीर्थ भोजन बंद रहेगा।

- दशा बंद रहेगी।

- पगड़ी रस्म में बर्तन एवं साड़ियाँ नहीं बांटना।

- जीजी, बहन, भांजी, बेटी को दान सामग्री बर्तन आदि जीमन छुटन के दिन ही देना।

- मृत्यु के दिन सगे संबंधी, फूल माला, साल-साड़ी के स्थान पर अगरबत्ती, घी, नारियल, हवन सामग्री ले जाना।

- प्रत्येक ग्राम में समाज द्वारा आरती के साथ-साथ एक दान पात्र की व्यवस्था की जावे। जिसमें स्वेच्छा अनुसार दान राशि डालना जिसका उपयोग अंतिम संस्कार में लकड़ी ले सकते हैं।

- जीमन छुटन का कार्यक्रम कुटुम्ब जनों तक ही सीमित रखना।

- 60 वर्ष से कम आयु वालों की मृत्युभोज में मीठा नहीं बनाया जावे।

- प्रत्येक ग्राम में अपनी सुविधा अनुसार मुक्तिधाम का निर्माण करने का प्रयास किया जावें।

टीप- प्रत्येक ग्राम ईकाई अध्यक्ष से अनुरोध है कि उपरोक्त नियमों का ग्राम में सकल पंच महिला/पुरुष एकत्रित कर वाचन किया जावे एवं पालन करवाये जाने का पूर्णतया प्रयास करें।

गुलाबचंद (लालाजी)

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 31

वैवाहिकी

वर

1. **चि. हरतोश ''हनी''** उम्र 21 वर्ष कद 5'6''
शिक्षा :-बी.टेक प्रथम वर्ष अध्ययनरत।
गोत्रों का वचाव:-बजाड़, बारवाल, छावडी, कपासिया।
सम्पर्क सूत्र :- श्री शंकर बजाड़ चित्तौडगढ
राज. मो.95876.62551

2. **चि. राजवीर सिंह गुर्जर,** जन्मतिथि 6 सितम्बर 1990 कद 5'9''
शिक्षाः- बीसीए एण्ड एमबीए ''फायनेंस''
गोत्रों का बचाव :- कॉदिल, पोसवाल, चंदीले, कंसाना,
संपर्क सूत्रः- कागता सिंह गुर्जर, गोहद, भिण्ड (मप्र)
मोबा. : 9977662634

3. **चि. दीपक धाभाई, उम्र** 32 वर्ष **कद** 6'
शिक्षाः- बी.ए. ''शासकीय सेवारत''
गोत्रों का बचावः-फूसवाडिया, सिराधना,
सम्पर्क सूत्र :-75873.39704 ,93001.31512

4. **श्री दमन सिंह धाभाई** उम्र 39 वर्ष कद 5'4''
शिक्षा 10 वीं पास जयपुर एक टूरिस्ट होटल में मैनेजर एवं प्रापर्टी का कार्य।
गोत्रों का बचावः-बोकन, हाकला, लीलू, बारबाल।
सम्पर्क सूत्रः- मो. 075681.59413

5. **चि. हिमाँशु गुर्जर,** जन्म.5 अगस्त 1986 **कद**-5' 8''
(माँगलिक) **शिक्षाः-** बी.काम.,एम.बी..ए. 'फायनेन्स'
जयपुर में प्रा. कम्पनी में मैनेजर।
पैकेजः- 4 लाख 8 हजार वार्षिक
प्राथमिकताः- राजस्थान, म.प्र. गुजरात।
गोत्रों का बचावः- ठठवारा, तंवर, कटारिया।
सम्पर्क सूत्रः- श्री कैलाश चन्द गुर्जर राजसमन्द कॉकरौली राज.
मो. 94146.83987 /91668.77847
Email. Himanshugurjar05@gmail.com

6. **चि. शशाँक चौहान,** जन्म.12.07.1990 कद-5' 10''
शिक्षाः- बी.काम. बी.एड. अंग्रेजी माध्यम एम.ए. में अध्ययनरत, प्रायवेट सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल में अध्यापक,
गोत्रों का बचावः- चौहान, कटारिया, बजाड, ''शाकाहारी परिवार''
सम्पर्क सूत्रः- श्री राजेन्द्र प्रकाश चौहान राजसमन्द राज.
मो. 94141.72343, /77423.15323

7. **डॉ. कमल किशोर धामाई जन्म** 26.2.88 **कद** 5'10''
शिक्षा : एम.बी.बी.एस.
गोत्रों का बचाव : सूँती, चेंची, मोडसर, कारक
सम्पर्क सूत्र : श्री महेश जी धामाई, जोधपुर
मोबा. 9414418182, 9413132637

वधु

1. **कु. तारा गुर्जर जन्म** 13.10.1988 **कद** 5'4''
एम.बी.ए. फायनेंस एवं मार्केटिंग। **गोत्रों का बचावः-** कोली, लीतरिया।
सम्पर्क सूत्रः- श्री लच्छी राम गुर्जर, इन्दौर म.प्र.
मो. 98803.16686, 8718030146, 9300569373

2. **कु. शशि सिंह चन्दीला,** उम्र 27 वर्ष कद 5' 6''
शिक्षाः- बी.काम. आनर्स, सी.ए. **गोत्रों का बचावः**-चन्दीला, भामला,
दिल्ली में प्रा. कं. में सेवारत रू. 8 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज।
प्राथमिकताः- सी.ए., आई.आई.एम. एवं आई.ए.एस.
सम्पर्क सूत्रः- चौ. रणवीर सिंह चन्दीला फरीदाबाद हरि. मो. 98113.73974

3. **डॉ. मीनाक्षी चौधरी,** उम्र 28 वर्ष कद 5'-5'' **शिक्षाः-** बी.डी.एस.
गोत्रों का बचावः-सराधना, कल्सयान, बनयाना।
सम्पर्क सूत्र :- श्री जसवीर चौधरी कैथल हरि.
मो. 94165.51436 / 90359.11436

4. **कु. स्वाँति गुर्जर,** जन्म.31जन.1986 कद.5'4''
शिक्षाः- बी.सी.ए., एम.बी.ए. फायनेन्स मार्केटिंग पूना में मल्टीनेश्नल कं. में सेवारत वेतन रू.35000/- प्रतिमाह।
गोत्रों का बचावः- छावडी, हाकला। **सम्पर्क सूत्रः-** 090090.55933

5. **कु. योगेश्वरी सिंह गुर्जर, उम्र** 25 वर्ष **कद.** 5'2''
शिक्षाः- एम.सी.ए. एन.आई.टी. कुरूक्षेत्र से।
सॉफ्टवेयर इन्जी.एल.एन.टी. कं. मुम्बई में सेवारत।
गोत्रों का बचावः- वैसला, भड़ाना
सम्पर्क सूत्रः- श्री जसवंन्त सिंह आगरा उ.प्र. मो. 078952-17681

6. **कु. स्मिता राज** उम्र 22 वर्ष कद 5' 3''
शिक्षाःएम.ए. षिक्षा एम.एस.सी. वायो टेक एम.फिल. वायो साइन्स
गोत्रों का बचावः- भालेसर, रग्गड, चाँदना, खींची।
सम्पर्क सूत्रः- श्री गोपाल सिंह गुर्जर, नरसिंह गढ़ राजगढ़ म.प्र.
मो. 99263.31267,99267.60583

7. (1) **कु. मनीषा जन्म** 2.11.89 **कद** 5'
शिक्षा : नेट परीक्षा पास, बैंक में पी.ओ.
(2) **कु. कोमल,** जन्म : 16 अक्टूबर 1990 कद 5'2''
शिक्षा : एम.एस.सी. बी.एड. नेट क्वालीफाईड **गोत्रों का बचाव :** बैसला नागर
सम्पर्क सूत्र : श्री राजवीर सिंह पलवल हरि. मो. 9971099269

8. **कु. रूधि नूतन सिंह गुर्जर** जन्म. 15.09.1988, कद. 5' 3'' शिक्षाः-
बी.एस.सी. कम्प्यूटर सॉइन्स। **गोत्रों का बचावः-** मावई, बैसले,
सम्पर्क सूत्र :- श्री नूतन सिह गुर्जर महा. मो.96232.43661

9. कु. आयूषी धाभाई, उम्र 23 वर्ष कद- 5'6''
शिक्षाः- एम.ए. अंग्रेजी साहित्य, बैंक में सेवारत
गोत्रों का बचावः- कनारा, भड़ाना।
संपर्क सूत्रः- श्री वीरेन्द्र सिंह धाभाई अरनोद
राज. मो. 8290700907

gurjer july-17-final.qxd 7/14/2017 4:55 PM Page 32

8. चि. नीरज गुर्जर, जन्म 07.08.1982 कद- 5'7''
शिक्षाः- एमबीए फायनेंस, सहकारी बैंक में मैनेजर।
गोत्रों का बचावः- पवार, घैया, बैसला
संपर्क सूत्रः- श्री आर.पी. गुर्जर, अजमेर राज.
मोबा. 93517-95284

9. चि. दीपक भडाना, जन्म 24.01.1988
कदः- 5'11'' शिक्षा- बी.बी.ए. फायनेंस
वर्तमान में ए.व्ही. हाउसिंग फायनेंस लिमि. मैं. ब्रांच मैनेजर
गोत्रों का बचावः- भडानार, डोई, कोली।
सम्पर्क सूत्रः- श्री हरीश भडाना कोटा
राज. मो. 9887802055

10. चि. प्रमोद छावड़ी, उम्र 29 वर्ष कद : 5'9''
शिक्षाः- एम.बी.ए. फायनेनंस प्रा. कम्पनी में, सेवारत,
गोत्रों का बचाव : श्री दयाराम छावडी
कोटा राज. 81077-18333

11. चि. पंकज गुर्जर जन्म 20.08.1987 कद 6'
शिक्षा : बी.कॉम.एल.एल.बी. स्वयं का व्यवसाय।
गोत्रों का बचावः- चाड़ नागर
संपर्क सूत्रः- श्री बिजेन्द्र सिंह धावाई किशनगढ़
राज.मो. 94140-11979

12. **मोनक फागना** जन्म 7 जून 1987 कद 5'10''
शिक्षा :- ग्रेजुएट (पोलिटेक्निक्यु)
वर्तमान में असिस्टेन्ट मैनेजर कम्प्यूटर वैभव जेम्स लिमि.में कार्यरत
वेतन :- रू. 30,000/- प्रतिमाह
गोत्रों का बचाव :- फागना, चपराना, रावत
सम्पर्क सूत्र :- श्री सुदेश फागना
मो. 9414359264, 9782133734

13. चि. अभिजित पारकर, **जन्मः-**22.09.1990
शिक्षाः- बी.टेक. ई.ई. (वर्तमान में आर.एफ. इंजीनियर म्यामार में कार्यरत)
गोत्रों का बचाव- अवाना, छावड़ी, फागना
सम्पर्क सूत्रः- डॉ. नरेन्द्र पारकर, मो. 98293-17945
जिला-झालावाड़ (राजस्थान)

नोट : 1. कृपया संबंध करने से पहले अपनी पूरी संतुष्टी कर लेवें, पत्रिका में दिए गए विज्ञापन दूरभाष व पत्रों के आधार पर दिए जाते हैं। 2. कृपया ध्यान दें संबंध होने पर अवगत करावें व वैवाहिक विज्ञापन पुनः प्रकाशित हो जाने पर हमें दोष न देवें। 3. कृपया अपना फोन मो. वैवाहिकों में दिया है, उसे 24 घंटे चालू रखें। कई लोगों की शिकायत है कि प्रायः फोन बंद रहते हैं। फोन नम्बर बदलने पर सूचित करें। विज्ञापन पुनः छापने हेतु लिखित व Email - gurjarnirdeshak@yahoo.com पर भी भेज सकते हैं।

सूचना

वैवाहिकी छपवाने के लिए रू. 500/- जगदीश सिंह गुर्जर के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के खाता क्र. 10547272322, एवं बैंक आई.एफ.सी. कोड एस.बी. आई.एन. 0003215 में जमा कर सूचित करें तभी वैवाहिकी में जानकारी छापी जाएगी।

10. **(1) कु.हेमलता गुर्जर,** जन्म 15 जन. 1987 कद.5' 5''
शिक्षाः-बी.एस.सी.,एम.सी.ए.; वर्तमान में शिक्षक के पद पर सेवारत
(2) कु. प्रियंका गुर्जर (माँगल्कि) जन्म. 24 जन. 1992. कद. 5' 6'' **शिक्षाः-** बी.काम. एवं एम.बी.ए. में अध्ययनरत (नोयडा में सेवारत)
गोत्रों का बचावः- छावड़ी, सिराधना, काँवर।
सम्पर्क सूत्रः- श्री उमेश गुर्जर ग्वालियर म.प्र. मो. 83499.94704

11. **डॉ. स्वेता चौधरी,** उम्र 25 वर्ष कद. 5' 7''
शिक्षाः- एम.डी. द्वितीय वर्ष मै अध्ययनरत।
गोत्रों का बचावः- दायमा, खारी
सम्पर्क सूत्रः- 99715.58964/97177.33335

12. **कु. भावना गुर्जर,** जन्म. 22 जन.1991 कद. 5' 2''
शिक्षाः- बी.ए.फायनल **गोत्रों का वचावः-** वोड, कॉवर।
सम्पर्क सूत्रः- श्री फूल सिंह गुर्जर, भदौरा गुना म.प्र.
मो. 88714.40365/89824.77119

13. Tanvi Bhati Girl. D.O.B. 18-08-1991 Hight 5'3"
Edu. : B.EL.ED. (LSR), M.ed(DU),M.A.
Sociology (JNU) UGC-NET & JRF (Edu) and
UGC-NET (Sociology)
CTET, HTET,UPTET, Govt. Teacher in Noida
Avoid Gotra: Bhati, Boken, Bidhuri, Nagar
Contact: Ashok Bhati, Janakpuri
Delhi- 9810472512 Email.tabh34@gmail.com

14. (1) **कु. सोनाली धाभाई,** जन्म 16 सित.1978 कद.5'7''
शिक्षा :- बी..ए. एम.बी.ए.
(2) कु.कोशाम्बी घाभाई, जन्मः-1 जनवरी.1980. कद 5' 4''
शिक्षाः- बी.ए., एम.ए,;एम.एच.आर.एम.(वर्तमान में आई.टी.सी. फोरचून होटल में सहायक मैनेजर के पद पर सेवारत।)
(3) **कु. दीपाली धाभाई** जन्म 9 अगस्त 1982, कद.5 '2''
शिक्षाः- बी.ए., एम.सी.ए. (एम.एच.आर.एम.) वर्तमान में एच. आर. एक्जीक्यूटिव के पद पर सेवारत।
उपरोक्त तीनों में गोत्रों का बचावः-अधाना, चौहान, कोली, भलेस्सर।
सम्पर्क सूत्रः- श्री गोवर्धन सिंह धाभाई (सेवा निवृत उप पुलिस अधीक्षक) उदयपुर राज. राज. मो. 94142.29753

15. **कु. भारती राणा,** जन्म. 22.11.1987 कद.5'2''
शिक्षा :- बी.ए., एम.ए., बी.एड. पी.जी.डी.सी.ए., एम.एस.सी. (cs) Raning.
गोत्रों का बचावः- छावडी, चैंची, कसाना, हस्साना।
सम्पर्क सूत्रः-श्री जगदीश सिंह राणा उज्जैन म.प्र. मो. 90098.98374

16. **कु. पायल गुर्जर,** जन्म : 20.9.89 कद 5'3''
शिक्षा : एम.सी.ए. वनस्थली द्वारा पास
गोत्रों का बचाव : बारवाल, बैसला, कासल
वर्तमान में सॉफ्टवेयर कम्पनी में सेवारत, वेतन रु. 30,000/- प्रतिमाह
सम्पर्क सूत्र : अमर सिंह गुर्जर, नीमच (म.प्र.) **मोबा.** 9425106645